Postal Regd. No : L/SLN/98/ 2019-21
RNI. Regd. No 66124/97
D.A.V.P No 131488

केन्द्र एवं हिमाचल सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त
हिमाचली संस्कृति एवं जनभावनाओं का सहज प्रवक्ता

हिम हिमवन्ती

नाहन (सिरमौर)
वर्ष : 23 अंक : 50
प्रत्येक बुधवार
11 से 17 दिसम्बर 2019
पृष्ठ : 8 मूल्य : तीन रुपये
हिन्दी साप्ताहिक
सम्पादक : अरविन्द गोयल

www.himwanti.in E-mail : himwantimedia@gmail.com
WhatsApp 9318855025 @himwantimedia

विधानसभा सत्र धर्मशाला में शुरू

विधवाओं की पेंशन बढ़ाने व नियम 130 के तहत सदन में चर्चा

विधानसभा सत्र के दौरान धर्मशाला में उपस्थितों को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर

धर्मशाला (प्रेवि) . मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने विधानसभा में कांग्रेस नेताओं के व्यवहार की कड़ी निन्दा करते हुए कहा है कि विपक्ष लोगों को गुमराह करने और मीडिया सुर्खियों में बने रहने के लिए इस प्रकार की अशोभनीय कोशिश कर रहा है। मुख्यमंत्री विधानसभा के पहले दिन का सत्र समाप्त होने के उपरान्त धर्मशाला में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे ।उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि खुद को प्रदेश का हितैषी बताने वाले कांग्रेस नेता वैश्विक निवेशक सम्मेलन को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए उपलब्ध अपार संभावनाओं को विश्व के निवेशकों के समक्ष प्रदर्शित करने के उद्देश्य से पिछले माह इस सम्मेलन का आयोजन किया। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश के सतत और समावेशी सामाजिक एवं आर्थिक विकास को गति प्रदान करना है ।जय राम ठाकुर ने कहा कि इस सम्मेलन में 200 विदेशी निवेशकों सहित दो हजार से अधिक निवेशकों ने भाग लिया और हिमाचल प्रदेश में निवेश के लिए गहरी रूचि दिखाई। यह सम्मेलन अपने उद्देश्य में सफल रहा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय मंत्री और कई देशों के राजदूत भी शामिल हुए। इस सम्मेलन की सफलता को देखते हुए कांग्रेस शासित राज्यों की सरकारें भी ग्लोबल इन्वेस्टर मीट आयोजित करने पर विचार कर रही हैं। यही नहीं, कई कांग्रेस शासित राज्यों ने इस प्रकार के आयोजन कर भी लिए हैं ।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार निवेश के लिए 93 हजार करोड़ के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने में सफल हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना करने के बजाय विपक्ष इस मामले में अनावश्यक शोर–शराबा कर रहा है, जिससे कांग्रेस नेताओं के दोहरे चरित्र का पता चलता है।

सदन की कार्यवाही के अंत में विपक्ष की गैरमौजूदगी में नियम 130 के अंतर्गत रीता देवी व सुखराम चौधरी ने प्रदेश में विधवा व अपंग पेंशन हेतु ग्राम सभा द्वारा पारित प्रस्ताव की शर्त के स्थान पर ग्राम पंचायत द्वारा पारित को मान्य किए जाने एवम 45 वर्ष से कम आयु की विधवा महिलाओं को पेंशन देने हेतु आय में छूट प्रदान करने पर विचार किया गया। इस पर सुखराम ने सुझाव दिया कि विधवा महिलाओं को पेंशन जल्द लगाने के लिए पंचायत ग्राम सभा के कोरम की जगह सिर्फ पंचायतों को पेंशन के कागजात बनाने का अधिकार दिया जाए ताकि ऐसी महिलाओं को पेंशन के लिए पंचायत के कोरम के पूरा होने का इंतजार न करना पड़े व पेंशन के लिए कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़े। उन्होंने ये भी मांग उठाई की ऐसी महिलाओं के लिए आय सीमा जो कि सालाना 35000 रखी गई है उसको खत्म किया जाए। इसी पर होशियार सिंह ने विधवाओं की पेंशन को बढ़ाने की मांग के साथ उनके बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान की जाए। ऐसी महिलाओं को तीन माह के भीतर पेंशन की सुविधा दी जाए ।विधायक कमलेश कुमारी ,विनोद कुमार, परमजीत सिंह पम्मी, कर्नल इन्द्र सिंह, अरुण कुमार, अर्जुन सिंह व राकेश सिंघा ने पेंशन को लेकर विधवाओं के समक्ष आ रही समस्याओं को उठाया व उन्हें पेंशन के नियमों में छूट देने की मांग उठाई।

इस चर्चा का जबाब देते हुए सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री डॉ राजीव सैजल ने बताया कि प्रदेश में 5 लाख 34 हजार जरूरतमंदों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है। उन्होंने बताया कि जो 35000 की आय सीमा को खत्म करने का सुझाव आया है उस पर सरकार विचार करेगी। इस पर मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कहा कि विधवाओं के मामले पर किसी तरह का कोई मतभेद नही है। सरकार आय सीमा व ग्राम सभा की शर्त हटाने पर जल्द विचार करेगी। ताकि विधवाओं को जल्द पेंशन लग सके।

सदन के संचालन में रचनात्मक सहयोग देने की अपील-बिंदल

विधानसभा सत्र के दौरान मंचासीन माननीय विधानसभा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर एवं अन्य मंत्रीगण

धर्मशाला (प्रे.वि). 9 दिसम्बर, 2019 को प्रातः 11:30 बजे हिमाचल प्रदेश विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ0 राजीव बिन्दल ने तपोवन स्थित हिमाचल प्रदेश विधान सभा के अपने कक्ष में मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश जय राम ठाकुर, नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री तथा संसदीय कार्यमंत्री हिमाचल प्रदेश सुरेश भारद्वाज के साथ बैठक की । बैठक के दौरान डॉ0 राजीव बिन्दल ने सत्ता पक्ष तथा विपक्ष से सदन के संचालन में रचनात्मक सहयोग देने की अपील की तथा सत्र का सदुपयोग जनहित से जुड़े मुद्दों के लिए सुनिश्चित करने का आग्रह किया। डॉ0 बिन्दल ने कहा कि सदन ही ऐसा उत्तम स्थान है जहां माननीय सदस्य जनहित से जुड़े मुद्दों को उठा सकते हैं तथा उस पर चर्चा कर उसका समाधान पा सकते हैं।

सरस्वती स्पिनिंग मिल्स में लगी आग

करोड़ का भारी नुकसान

कालाआम्ब (ब्यूरो). हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के कालाअंब में गत सोमवार रात 11 बजे डिंगर वाला (मोगीनंद) के सरस्वती स्पिनिंग मिल्स नामक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आगजनी की इस घटना में फैक्ट्री में तैयार सामान, बैटरी स्क्रैप, कोयला व मशीनरी जलकर जहाँ पूरी तरह राख हो गया वहीं लगभग 2 करोड़ का नुकसान होने का अनुमान है। इस उद्योग में गाड़ियों की पुरानी बैटरी (स्क्रैप) को ढाल कर सिक्का (लेड) निकाला जाता है। फैक्टरी मालिक ने बताया कि आगजनी की घटना से जहाँ सबकुछ जलकर राख हो गया वहीं गनीमत यह रही है कि इस भयानक अग्निकांड में किसी की जान नही गई। आग लगने के वक्त उद्योग में भारी संख्या में कर्मचारी एवं कामगार मौजूद थे लेकिन उन्होंने एमरजेंसी गेट से बाहर निकल कर किसी तरह अपनी जान तो बचा ली लेकिन उद्योग में रखा सारा प्लास्टिक निर्मित सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया। उद्योग के मालिक ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही उन्होंने तुरन्त अग्निशमन विभाग को सूचित किया और 2 फायर बिग्रेड की गाड़िया जहाँ कालाआम्ब से घटना स्थल पर पहुँची वहीं एक अग्निशमन वाहन नाहन से भी घटना स्थल पर पहुँचा लेकिन आग इतनी भयानक थी कि न तो अग्निशमन विभाग कुछ बचा पाए और न ही उद्योग में लगे काफी मात्रा में अग्निशमन यंत्रों से ही आग पर काबू पाया गया चूंकि अचानक आग ने उद्योग को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया था। इस आगजनी में उद्योग भवन को भी भारी क्षति हुई है।

नगरपालिका के भ्रष्टाचार पर चुप्पी

पांवटा (ब्युरो) नगरपालिका एक बार फिर से सुर्खियों में है। इस बार पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष संजय सिंघल ने वर्तमान कार्यकारिणी के खिलाफ मौर्चा खोल रखा है। संजय सिंघल ने आरोप लगाया है की नगरपालिका में जबरदस्त भ्रष्टाचार है। इस बार उनको पूर्व पार्षद शिव सिंह असवाल का साथ मिला है। असवाल ने कहा है की नगरपालिका में सांठगांठ वाली लूट चल रही है । सिंघल का आरोप है वर्तमान में जो काम करवाए गए एक है उसमें करोडो का घोटाला । इसकी जांच होनी चहिए। इधर नगरपालिका ने सिंघल के आरोप को बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है जो भी काम हो रहे हैं उसमें नियम और कायदे का ख्याल रखा गया है। गौरतलब है कि पांवटा साहिब नगरपालिका में शुरू से ही सबकुछ ठीक–ठाक नहीं चल रहा है। यहां पर भाजपा के दो गुटो के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही है। दोनों गुट एक दूसरे के खिलाफ तलवारें खींचे हुए हैं। नगरपालिका अध्यक्ष कृष्णा धीमान ओर उपाध्यक्ष नवीन शर्मा को वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व मंडल अध्यक्ष मदन शर्मा का आर्शिवाद प्राप्त है। जबकि सिंघल सुखराम चौधरी के खास है। वर्तमान नगरपालिका संजय सिंघल को विश्वास में लिए बगैर काम कर रही है जिसके चलते सिंघल नाराज चल रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्षदो के साथ मिलकर नगरपालिका के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। इस लड़ाई में जहां नगरपालिका के काम प्रभावित हो रहे हैं वहीं भ्रष्टाचार को बल मिल रहा है। बीते दिनों विवाद के चलते बैठक को स्थगित करना पड़ा था। उस बैठक में हंगामा होने के आसार थे । सिंघल ने थाने से सुरक्षा मांगी थी लेकिन बाद में उस बहस को ही रद्द कर दिया गया था।

स्वास्थ्य चर्चा

प्रयोग करके देखें

सब्जियों मे सहेजन की सब्जी का सेवन बेहद लाभकारी और गुणकारी होता है। इसके पत्तों का रस अर्थराइटिस और यूरिक-एसिड में बहुत ही उपयोगी होता है। अर्थराइटिस में जिनको भयानक दर्द है वे दिन में दो बार सुबह-शाम निर्गुण्डी का रस लें सकते है।

लहसुन का प्रयोग:- लहसुन का सेवन भी इसमें बहुत लाभकारी है। दिन मे 5 से 10 लहुसन 5 नग सुबह खाने के साथ व 5 शाम के खाने के साथ लें। लहसुन को पीसकर लेने से ही इसकी सकियता बढ़ती है। लहसुन को साबुत टमाटर के साथ भी लिया जा सकता है। परंतु इसको चबाकर खाना ज्यादा फायेदमंद है। लहसुन मे एलक्सिन तत्व होता है जो खून की नलियों को साफ करता है और कॉलस्ट्रोल को कम करता है।

मेथी का प्रयोग:-वात रोग में अंकुरित मेथी का सेवन भी लाभकारी है। रात को मेथी भिगो लें और सुबह मेथी और पानी अलग-अलग कर लें। उस पानी को हल्का सा गर्म करके उसमें 1-2 चम्मच शहद और नींबू का रस मिलाकर सेवन करें। मेथी वातरोग मे रामबाण औषधि हैं।

न ी ं ब ू-आंवला का प्रयोग:-अर्थराइटिस में नीबूं या ऑवला का रस बेहद लाभकारी होता है। ऐसी परिस्थति मे लहसुन, हल्दी-मेथी, सौंठ और ऐलोवेरा का सेवन भी लाभप्रद होता हैं।

ज्यादा समस्या होने पर आयुर्वेदिक चिकित्सक से परामर्श करें और कपालभाति, अनुलोम विलोम प्राणायाम आध ा-आधा घंटे अवश्य करें। शरीर से यूरिक एसिड की मात्रा कम करने के लिये आयुर्वेद मे शतावर का प्रयोग होता है। इसमें शरीर को पूरी शक्ति मिलती है। इसे दूध या पानी के साथ सेवन करें। पर ज्यादा मात्रा में न लें।

रस का प्रयोग:- यूरिक एसिड को कम करने के लिये पेठे के रस का भी उपयोग कर सकते है। पेठे का रस जबर्दस्त आल्कलाईन है, दिन में 200-250 मिली, सुबह खाली पेट पेठे के रस का सेवन पेट के लिये बहुत ही उपयोगी होता है। गाजर और चुकंदर का रस भी इसमें बेहद उपयोगी होता हैं। चुकंदर का रस दिल के मरीजों के लिये बेहद फायदेमंद होता है। इसमें उपस्थित नाईट्रिक आक्साइड खून की नलियों को साफ करता है।

एलोवेरा जूस का प्रयोग:- डायबीटिज के रोगी एलोवेरा का जूस ले, यह डायबीटिज को भी कंट्रोल करता है और यूरिक एसिड को भी। खाने में अंकूरित मेथी और फलों मे केले का सेवन यूरिक एसिड को निकालने मे बेहद उपयोगी है। केला हमेशा चित्तिदार लें। कच्चा केला पेट मे दर्द करता है और एसिडिटी भी बढ़ता हैं। पके हुए केले में में ॅजंतबी बहुत जल्दी परिपूर्ण रूप से कार्बोहाइड्रेट मे रूपातंरित हो जाता हैं जो जल्दी सुपाच्य होता है। मोटे लोग भी इसे बंसव. तपमे ठंसंदबम करके ले सकते है। इससे वजन तब ही बढ़ता है जब हम इसे म्गजतं थ्वक की तरह ब्वदेनउम करते है। भरपेट आहार के बाद दो केले भी मोटापा ही देगें। अस्थमा और डायबीटिज के रोगी केले का प्रयोग न करें।

एसिडिटी रोग में:-कुंजल क्रिया एसिडिटी में बहुत ही उपयोगी है। पेट संबधी बीमारियों जैसे भूख ना लगना, गैस और कब्ज जैसी बीमारियों मे कुंजल क्रिया बहुत लाभकारी होती है। पहले कुंजल क्रिया 21 दिन लगातार करिये फिर सप्ताह में एक बार कर लिजियें।

अल्सर रोग मे:-अल्सर और एसिडिटी जैसी बीमारियों की चिकित्सा के लिये मिट्टी की पट्टी का प्रयोग लाभकारी होता है। ।दजंबपक वाले आहार गाजर का रस, सौंफ का पानी, लौकी, टिण्डा, तोरी, परवल अल्सर और एसिडिटी जैसी बीमारियों मे बहुत ही उपयोगी होती है। पत्तों वाली सब्जियों का सेवन नही करना चहिये। ।दजंबपक वाले आहार के अतिरिक्त मुनक्का भी काफी फायदा करता है। मुनक्के खाने नही है, चूसना है। उपवास में 4-5 मुनक्का म्दमतहल ठववेजमत का काम करता है। मुनक्कें Antaacid वाले आहार के साथ ही ऐलोविरा जूस भी एसिडिटी मे बहुत लाभ करता है। ऐलोविरा औरॅमंज तें यें दोनो अल्सर और एसिडिटी जैसा बीमारियों का नाश करता है। **(साभार योग संदेश)**

कैसे बचें आई फ्लू से

आंखों में सूजन, जलन, अधिक पानी आना, ये सब आई फ्लू के लक्षण हैं। कई लोग इसे साधारण रोग मानकर घरेलू दवाएं या फिर अयोग्य चिकित्सकों से दवाईयां लेते रहते हैं मगर डॉक्टरों के अनुसार यह एक खतरनाक एवं संक्रामक रोग है।

यह रोग आमतौर पर विषाणुओं और जीवाणुओं द्वारा फैलता है। कुत्ते, बिल्ली जैसे पालतू जानवरों को भी यह रोग हो जाता है। यह एक संक्रामक रोग है, जो स्पर्श करने से भी फैल जाता है।

जब आई फ्लू होने के लक्षण दिखाई देने लगें तो तुरंत डॉक्टरी सलाह लेनी चाहिए वर्ना आंखें खराब होने का खतरा बना रहता है।

डॉक्टरों के अनुसार आई फ्लू का जीवणु आंख की सफेद झिल्ली पर आक्रमण करता है तो वह सूजकर लाल हो जाती है और आंख में खुजली होने लगती है व तेज दर्द भी होता है।

सावधानियां:- आई फ्लू होने पर कई सावधानियां रखनी आवश्यक है वर्ना आप अपनी आंखें गंवा सकते हैं।

कुत्ते, बिल्ली जैसे पालतू जानवरों से दूर रहें।

आई फ्लू के रोगी व्यक्ति से हाथ न मिलाएं।

दूसरों का रुमाल, तौलिया व चश्मा आदि का कदापि प्रयोग न करें।

तेज हवाओं तथा धूप से बचने के लिए चश्मे का इस्तेमाल न करें।

अपने शरीर की नियमित सफाई करें।

उपचार कैसे करें:-आई फ्लू पर काबू पाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि साफ व ठंड़े पानी से आंखों को बिना मले बार-बार ध ोएं। सूजन या अधिक खुजली होने पर खाने वाली एन्टी एलर्जिक दवाओं का सेवन करें। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि किसी भी दवा का प्रयोग चिकित्सक की सलाह के बिना न करें।

कितनों ने खरीदा सोना.

कितनों ने खरीदा सोना
मैने एक 'सुई' खरीद ली

सपनों को बुन सकूं
उतनी 'डोरी' खरीद ली

सबने बदले नोट
मैंने अपनी ख्वाहिशे बदल ली

'शौक- ए- जिन्दगी' कम करके
'सुकून-ए-जिन्दगी' खरीद ली।

-अकेली

आलू की फसल को झुलसा से बचायें

आलू किसानों को नगद पैसा देने वाली एक महत्वपूर्ण फसल है। इसमें पोषक तत्व व स्टार्च अधिक मात्रा मे पाये जाते हैं। आलू की मांग सब्जी के अलावा औद्योगिक रूप से स्टार्च व एल्कोहल के रूप मे अधिक प्रयोग होता है। भारत मे आलू का क्षेत्रफल (सन् 2000) 1. 28 मि.हे. तथा कुल उत्पादन 22.49 मि.टन रहा।

आलू की फसल मुख्यतः अगेती झुलसा व पछेती झुलसा रोग से अधिक ग्रसित होती है। इसका सक्रमंण पर्वतीय क्षेत्रों में प्रतिवर्ष व मैदानी क्षेत्रों मे तीसरे वर्ष होता है। यदि इसकी रोकथाम न की जाये तो 70-80 प्रतिशत तक फसल नष्ट होने की संभावना रहती है।

अगेती झुलसा:- इसे अगेती अंगमारी के नाम से भी जाना जाता है। इसका प्रकोप हल्की जमीन में अधिक होता है। सबसे पहले रोग का आक्रमण पत्तियों की निचले सतह पर, बाद में ऊपरी सतह पर होता है, प्रारंभिक अवस्था में पत्तियों के निचले सतह पर छोटे-छोटे धब्बे के रूप मे दिखाई देता है। बाद में अनियमित आकार के हो जाते है एंव छल्लेनुमा दिखाई देते है। जब बीमारी का अधि क प्रकोप होता है तो पत्तियां गिर जाती है और पौधे के डंठल पीले पड़कर सूख जाते है। इससे आलू छोटे, कच्चे व मुलायम छिलके वाले रह जाते हैं।

स्वस्थ एंव रोग रहित बीज का चुनाव करें।

संक्रमित फसल के अवशेषों एंव घासों को खेत मेंनही छोड़ना चाहिये। प्रतिरोध ी किस्मों की बुवाई करें।

रासायनिक नियंत्रण- किसी एक फफूंदनाशक दवा मैंकोजेब 0. 5 प्रतिशत अथवा जिनेव 0.5 प्रतिशत की प्रति एकड़ के हिसाब से छिकड़ाव करें। आवयकता पड़ने पर 3-5 छिड़काव 15 दिन के अंतर पर फिर करें।

पछेती झुलसा- इसे पछेता अंगमारी के नाम से भी जाना जाता है। साधारणतः निचली पत्तियों मे यह रोग सबसे पहले दिखाई देता है। इस रोग का प्रकोप होने पर पत्तियों पर हल्की धुंध ले, भूरे रगं के जल सिक्त धब्बे दिखाई देते है जो बाद मे काले रंग के हो जाते है। पत्तियों का झुलसना ऊपरी किनारों से होता है और बाद मे बढ़कर पूरी पत्ती झुलस जाती हैं। साथ ही साथ पत्तियों की निचली सतह पर सफेद रंग की फफूंदी दिखाई देती है। पत्तियों से दुर्गंध ा आने लगती है। साथ ही साथ कंद भी ग्रसित हो जाते है। अतं में खुदाई से पहले ही सड़ जाते है।

कारण एवं रोकथाम:- यह फाइटोपथेरा इन्फेस्टेन्स नामक फफूंद द्वारा फैलता हैं। आलू की फसल में यह अत्यंत विनाशकारी रोग है। इसका संक्रमण न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने, आकाश में कोहरा या बादल का छाये रहने या 24 घटों में हल्की वर्षा होना आदि वातावरण में बहुत तेजी से फैलता है और 1-4 दिन में पूरी फसल नष्ट हो जाती है। अतः इसकी रोकथाम के लिये निम्न उपाय अपनाना चाहिये।

श ा ` स य नियत्रंण-प्रतिरोधी किस्में जैसे कुफरी जवाहर, कुफरी सतलुज, कुफरी बहार, कुफरी बादशाह आदि उगायें।

स्वस्थ एंव रोग रहित बीजों का चुनाव करें।

संकमित कंदो को शीतग्रह से निकालकर नष्ट कर दें।

संक्रमित फसल के अवशेषों एंव घासों को खेत से निकालकर नष्ट कर देना चाहिये।

रासायनिक नियत्रंण:-किसी एक फफूंदनाशक दवा मैकोजेव 0.5 प्रतिशत अथवा जिनेब 0.5 प्रतिशत को प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। आवश्यक्ता पड़ने पर 3-5 छिड़काव 15 दिन के अतंर पर फिर करें। उपरोक्त सभी बातों को ध्यान मे रखा जाये तो आलू में झुलसा रोग की रोकथाम अच्छी तरह से हो सकेंगी तथा अधिक उत्पादन होने से रोगों से होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता हैं।

कविता संग्रह

सच्ची श्रद्धांजलि

❖ महाराजा सिंह परदेसी

आज पुलिस ने इंसाफ का डंका बजा दिया है।
प्रियंका के हत्यारों को ठिकाने लगा दिया है।

करके सूपड़ा साफ आदमखोरों का,
आज अंतिम फैसला सुना दिया है।

सबूत हैं वो सीखें गवाह हैं वो सड़कें मानी,
घटनास्थल को ही अदालत बना दिया है।

होगा हश्र ऐसा हर दोषी- बलात्कारी का,
भून कर गोलियों से यह बता दिया है।

खुश हुआ है देश सारा दरिंदों के जाने से,
हर गद्दार के दिल को डरा दिया है।

देकर सच्ची श्र)ांजलि प्रियंका को खाकी ने,
आज राखी का सम्मान बढ़ा दिया है।

जख्म तो बहुत गहरे हैं दिलों में मगर,
उन पर कुछ मरहम जरूर लगा दिया है।

सदस्य बाल क्लब

रवजोत

नामः-रवजोत कौर
जन्म तिथिः 4 जून 2019
माता/ पिताः-हरकीत कौर/ मि. बलविन्द्र सिंह
दादी :- श्रीमती कांता कौर
नाना/नानीः-श्री करनैल सिंह/श्रीमती देविन्द्र कौर
ताया/ताईः- श्री सुखविन्द्र सिंह/श्रीमती परमजीत कौर
मौसीः हरप्रीत कौर, बलविन्द्र कौर, संदीप कौर
मामा/मामीः- मि. जसविन्द्र सिंह/मिसेज़ निशा
मि.रणदीप सिंह
बुआ/फूफाः सुरेन्द्र सिंह/गुरमीत कौर
भाई/बहनः-रिया, ईशु, युवी, नवी, अर्शी, परी
मित्रः परिवार के सदस्य
स्कूलः-घर ही स्कूल है।
सबसे ज्यादा प्यार करते हैं- पापा
बड़े होकर बनेंगेः आदर्श नागरिक
पसंद हैः रोना।
खाने में पसन्दः मॉ का दूध
पसंदीदा गीतः मॉ की लोरी.........।
पताः चंडीगढ़ ।

हिमाचल निर्माता -राष्ट्र गौरव डॉ. यशवन्त सिंह परमार

वह कहते हैं

❖ आचार्य चन्द्रमणि वशिष्ठ "पहाड़ी मृणाल"

'हिमवन्ती' के पाठक पिछले कुछ वर्षों से हिमाचल के प्रसिद्ध साहित्यकार ब्रह्मलीन आचार्य चन्द्रमणि वशिष्ठ के आलेख, कविता, कहानी परक सत्साहित्य का रसास्वादन करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

आचार्य वशिष्ठ जहाँ लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यकार रहे हैं, वहीं अपनी आराधना, साधना व तपोनिष्ठ जीवन के कारण अध्यात्म जगत् में गुरू पद प्रतिष्ठित भी रहे हैं। अपने इस साधनाकाल में उन्होंने कई ऐसे चमत्कार अथवा कृपाएँ देखी हैं जिन पर सहज विश्वास कर पाना सरल नहीं।

वशिष्ठ जी ने हिमाचल निर्माता -राष्ट्र गौरव डॉ. यशवन्त सिंह परमार" पुस्तक भी स्वयं लिखी है जिसे वशिष्ठ जी ने बड़ी खूबसूरती से प्रस्तुत किया है वह अति उत्तम है। अपने इस धारावाहिक में हम वशिष्ठ जी की इसी विशेष पुस्तक से पाठकों को परिचित करवा रहे हैं–

-सम्पादक

सेवाभाव–आज मैंने दफ्तर जाते हुए देखा, पुलिस का एक जवान एक वृद्धा के सड़क में बिखरे हुए सामान को इक्ट्ठा कर रहा है, उसके झोले में सामान डाल रहा है, वृद्धा को उठा रहा है, मुझे बड़ी खुशी हुई। मुझे ऐसा सेवाभाव बहुत पसन्द है। मेरी इच्छा है प्रदेश का हर कर्मचारी, हर युवा, हर व्यक्ति ऐसी सेवा भावना से कार्य करें। मुझे इस बात की खुशी है कि हमारे हिमाचल प्रदेश की पुलिस देशभर में अपने विनम्र व्यवहार के लिए प्रसिद्ध है।

बुजुर्गों के प्रति– डॉ. परमार जब कभी किसी बुजुर्ग को अपने आगे झुकते हुए अभिवादन करते हुए देखते थे या कोई बुजुर्ग उनके पाँव छूने को झुकता था तो वह उसे झुकने से पहले अपनी बाँहों में लेकर उठा लेते थे। डॉ. साहिब बुजुर्गों को उठाने के लिए झुकते तो लगता, जैसे आसमान झुग गया।

नाहन की एक गोष्ठी में जिसमें एक बुजुर्ग साहित्यकार को सम्मानित किया गया था, उस गोष्ठी में बरसों पहले डॉ. परमार ने कहा था–

"बुजुर्गों का अहतराम बहुत ही जरूरी है। बुजुर्गों का आदर करने से दुआ मिलती है। दुआ जरूर रंग लाती है। माँ–बाप, बड़ों की इज्जत के अलावा उन सब की इज्जत करना हमारी संस्कृति का एक बड़ा अंग है जो आज इस दुनिया में नहीं है, मगर बुजुर्ग थे। मैं यहाँ एक बात यह भी कहना चाहता हूँ कि पेंशनर्स ज्यादातर बुजुर्ग ही होते हैं। उनसे जब वे दफ्तरों में आएँ, कहीं भी आएँ, ऐसा सलूक किया जाना चाहिए जैसा सलूक बुढ़ापा आने पर हम अपने लिए चाहेंगे।

वन सम्पदा– वन सम्पदा हमारी बहुत बड़ी सम्पदा है, सरमाया है। वनों की हिफाजत हर हालत में हर हिमाचली को करनी है। ज्यादा वृक्ष कटेंगे, कम लगेंगे ब तो तबाही है। वृक्ष नहीं कटें, इसका ध्यान तो बराबर रखना पड़ेगा। नंगे पहाड़ों को हम लोग हरियाली की चादर ओढ़ाने का संकल्प करें। खूब वृक्षारोपण करें। दरख्त ऐसे लगायें, पौधे वह हों जो बड़े होकर ईमारती लकड़ी दें, बालन दें और थोड़ा ही सही बड़े होकर चारा भी दें, ताकि पशुओं को पाला जा सके। प्रत्येक व्यक्ति को वृक्ष लगाना है। एक मंत्र है, सुन लें, जरूरी है, वह क्या है, लगाने–लगाने से काम नहीं चलेगा। "वृक्ष लगाना है, पालना है और संभालना है"।

साहित्य और संस्कृति– हमारे प्रदेश के हिन्दी, पहाड़ी के साहित्यकारों ने राष्ट्रभाषा हिन्दी तथा पहाड़ी भाषा को विकसित करने में पिछले वर्षों में बहुत योगदान दिया है। मुझे खुशी है कि इस क्षेत्र में भी हमारा नाम ऊँचा हो रहा है। यह प्रयास जारी रहने चाहिए। हमारे प्रदेश में बहुत वीर गाथाएँ हैं, लोक कथाएँ हैं और बहुत सारे विषय हैं। वह सब सामग्री एक जगह महफूज होनी चाहिए।

मैं यह भी कहना चाहता हूं कि युवा वर्ग अपनी संस्कृति को धुंधला नहीं होने दें, अपनी संस्कृति से दूर नहीं जाएँ। एक बात और भी खास है तो मैं अक्सर सोचता हूँ। कहना चाहता हूँ वो यह है कि कोदा, मंडुआ, फाफरा, चौलाई हमारे यहाँ वह अनाज हैं जो बहुत ही ताकतवर और स्वादिष्ट हैं, इनका उपजाना, प्रयोग और मंडारण हमें करते रहना चाहिए। आप जानते हैं कि पहला अमीर कौन है? मेरे नौजवान साथी बताएँ, सुनिए, पहला अमीर वो है जिसके घर में अपने घर का आटा है। समझे आप! इन अनाजों की कदर हमारे दिलों में घटनी नहीं चाहिए। कुछ तो हो, यूँ तो बहुत कुछ हो ताकि दूर से भी हमारे पहाड़ी होने का पता चले, मुझे और आपको अपने पहाड़ी होने का बहुत नाज् है। होना ही चाहिए ना?

सहायता– किसी की सहायता करना, मदद करना, बहुत अच्छी बात होती है। मैं जर्मनी से वापस आया हूँ। वहाँ मैंने देखा, आप किसी कार्यालय में जाते हैं. आपकी बात जायज् है तो वो आपकी इमदाद का कोई रास्ता निकालेंगे। क़ायदे–कानून के अन्दर रास्ता निकालेंगे। मगर यहाँ बराबर उल्टा है। यह बैठे हैं (एक अधिकारी का नाम लेते हैं) यह वह क़ायदा निकालेंगे जिससे बनता काम अटक जाए, बिगड़ जाए ताकि आप इनकी मिन्नतें करें, फिर कोई कानून, नुकता या रास्ता यह आपको बताएँगे।

ऐसी आदतें, ऐसा तरीका एकदम बंद होना चाहिए। क़ायदे–कानून के मुताबिक जल्दी से जल्दी इमदाद दी जाए तो मुझे बेहद खुशी होगी। ठीक है, आप मेरी बात समझ रहे हैं, बराबर इमदाद की बात सामने होनी चाहिए। काम में रूकावट डालने की, बिला वजह नुकतावीनी या नुकस निकालने की बातें नहीं होनी चाहिएँ। कम से कम हमारे प्रदेश में तो नहीं होनी चाहिए।

पंचायतें– करनाल में एक विराट अखिल भारतीय पंचायत सम्मेलन हुआ था। उस समय लाला बनारसी दास गुप्ता हरियाणा के मुख्यमंत्री थे। हिमाचल से 12–14 लोग सम्मेलन में भाग लेने गये थे। सिरमौर से हम चार व्यक्ति भाई सुन्दर सिंह एम.एल.ए., डॉ. योगराज सिंह अध्यक्ष बी.डी.सी. नाहन, कन्हैया लाल प्रधान मोगीनंद नाहन तथा मैं बहेसियत प्रधान पंचायत कटाहा–शीतला उस पंचायत में भाग लेने के लिए पहुँचे थे। मेरा यह सौभाग्य हा कि हिमाचल प्रदेश की ओर से मैं वहाँ बोला, जबकि दूसरे प्रान्तों के मंत्री बोल रहे थे, बोलने के लिए मेरा नाम भाई सुन्दर सिंह जी ने लिखवा दिया था। हमारे पंचायत मंत्री चौ. हरदयाल गाड़ी खराब होने के कारण समय पर नहीं पहुंच सके थे।

कलाकार– जब लोकनृत्य होता है मुझे लगता है हमारे संस्कार, हमारी संस्कृति, हमारे उच्च आदर्श झूम रहे हैं जो हमें एक ऐसे प्रकाश की ओर ले जा रहे हैं जहाँ ज्ञान ही ज्ञान है, सुख ही सुख है। लोक कलाकारों तथा लोक संस्कृति का सम्मान होना चाहिए।

स्विटजरलैंड– हम हिमाचल को स्विटजरलैंड जैसा बनाने की बातें करते हैं लेकिन वो मेरे अकेलेके बनाने का काम नहीं है। उसमें सब, आप, मैं, सब साथ–साथ काम करेंगे तो बनेगा। पर्यटन, उद्योग वगैरा– वगैरा की दृष्टि से वहाँ के नजारों की वजह से, स्विटरलैंड मशहूर है, बस वैसा–वैसा हम अपने यहाँ कुछ करना चाहते हैं, मिलकर करेंगे।

वसुधैव कुटुंबकम

वसुधैव कुटुंबकम वाले भारत में आपका स्वागत है. पूरी दुनिया को कुटुंब यानी परिवार मानने वाले भारत की संसद में एक विधेयक पेश हुआ है। जिस भारत के सभी धर्मो को मानने वाले लोगों ने दुनिया के कई देशों में स्वेच्छा से नागिरकता ली है, उन्हें मिली भी है, उनके भारत में एक विधेयक पेश हुआ है. जिन्हें हम नॉन रेजिडेंट इंडियन कहते हैं उन्हें भी यह जानना चाहिए कि नागिरकता संशोधन विधेयक के तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश यानी सिर्फ तीन पड़ोसी देशों से प्रताड़ना यातना के शिकार हिन्दू, ईसाई, पारसी, जैन, सिख और बौद्ध को नागरिकता दी जाएगी। इसमें एक मजहब का नाम नहीं है. मुसलमान का. इस आधार पर कहा जा रहा है कि यह संविधान की मूल भावना यानी सेकुलरिज्म के खिलाफ है क्योंकि भारत का संविधान धर्म, जाति और लिंग के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं करेगा. अमित शाह कहते हैं कि किसी के खिलाफ नहीं है. किताब की भूमिका पढ़ लेने से न तो आप पूरी किताब समझ आती है और न ही आधी किताब पढ़ने वाला विश्व गुरु तो छोड़िए गांव गुरु भी नहीं हो सकता है. भारत के पड़ोस में सिर्फ पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश नहीं है. नेपाल, श्रीलंका और म्यानमार भी है। जो बिल लाया गया है अगर उसका आधार सिर्फ प्रताड़ना है तो सिर्फ एक धर्म पर चुप्पी क्यों है। अगर सिर्फ मजहब आधार है तो फिर प्रताड़ना का सहारा क्यों लिया जा रहा है। मार्च 2018 में न्यूयार्क टाइम्स में Dan Arnold vkSj Alicia Turner का छपा लेख पढ़ सकते हैं। भारत के दो पड़ोसी देश म्यांमार और श्रीलंका है। हम मानते आए हैं कि बौद्ध संगठन अपने मजहब की किताब की तरह शांति और संयम के उपासक ही होंगे. म्यांमार में बौद्ध संगठनों पर हिंसा हुई है लेकिन बौद्ध लामाओं ने रोहिंग्या मुसलमानों पर भी जुल्म ढाए हैं। बौद्ध पहचान से जुड़ी राजनीति ने यहां मुसलमानों को प्रताड़ित किया है। श्रीलंका देख लीजिए. यहां भी बौद्ध राष्ट्रवाद उग्र रहा है. जिसका शिकार तमिल हिन्दू रहे हैं। बौद्धराष्ट्रवाद के शिकार मुसलमान भी हैं। अमित शाह ने जो बिल रखा है उसमें सिर्फ तीन देश हैं और उन तीन देशों के प्रताड़ितों में बौद्ध का भी नाम है. लेकिन पड़ोस में जहां बौद्ध हिंसा का शिकार मुसलमान और तमिल हो रहे हैं। उनकी बात नहीं है. पाकिस्तान में शियाओं के साथ कितनी हिंसा हुई है। कितने ही शिया डॉक्टरों की हत्या कर दी गई है. अहमदिया समुदाय के लोग भी प्रताड़ना के शिकार हुए हैं. हिन्दू भी हुए हैं. लेकिन भारत प्रताड़ना को सिर्फ एक मजहब की निगाह से देखेगा. शियाओं की प्रताड़ना की तरफ नहीं देखेगा। अहमदिया की प्रताड़ना की तरफ नहीं देखेगा. दुनिया में कोई भी ऐसा धर्म नहीं है जिसके खाते में दूसरे धर्म पर हिंसा का उधार नहीं लिखा है लेकिन अगर यह उधार किसी भी तरह से चुकाया जाने लगा तो धरती पर लाशों के सिवा कुछ नहीं बचेगा. धार्मिक आधार पर हिंसा एक हकीकत है. तभी समझाने वालों ने कहा है कि सभी धर्म एक हैं.उनका मकसद एक है. यह भी सोचना चाहिए कि भारत में जिन तीन देशों के छह मजहबों के लिए नागिरकता का कानून बन रहा है। यह कानून उन देशों में उनकी स्थिति मजबूत करेगा या कमजोर करेगा? क्या इस कानून से पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिन्दुओं की स्थिति मजबूत होती है? इस कानून के बाद उन्हें इन दो देशों में कैसे देखा जाएगा? बताने की जरूरत नहीं है. अगर भारत इतना ही चिन्तित है और तो आप इंटरनेट सर्च करें कि पिछले पांच साल में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और प्रधानमंत्री मोदी की कितनी बार मुलाकात हुआ है, क्या एक बार भी बांग्लादेश में हिन्दुओं की प्रताड़ना की बात की है? कभी नहीं की है. गृहमंत्री अमित शाह ने जो बिल पेश किया है उसे जरूर पढ़ें लेकिन पहले स्वामी विवेकानंद के उस कथन को जरूर सुनें. 11 सितंबर 1893 को शिकागो में विवेकानंद ने कहा था, 'मुझे उस धर्म का होने में गर्व है जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिक स्वीकार्यता का पाठ पढ़ाया है. हम न सिर्फ सार्वभौमिक सहिष्णुता में यकीन करते हैं बल्कि हम सभी धर्मो को स्वीकार करते है. मुझे गर्व है मैं एक ऐसे देश से आता हूं जिसने इस धरती के सभी देशों के सभी मजहबों के सताए गए शरणार्थियों को शरण दी है। 'विवेकानंद आज होते तो क्या गर्व करते, उस भारत पर जिसने सभी देशों और सभी धर्मो के सताए हुए शरणार्थियों को शरण दी है। गृहमंत्री अमित शाह ही बता सकते हैं कि विवेकानंद क्या सोचते, या आज की राजनीति का कोई मरोसा नहीं, सुविधा के लिए विवेकानंद को भी खारिज कर दिया जाता. गृहमंत्री अमित शाह ने नागरिकता संशोधन विधेयक पेश कर दिया. यह बिल एक बार और लोकसभा में पास हो चुका था मगर लोकसभा चुनावों में पूर्वोत्तर में हुए विरोध के कारण राज्यसभा में लैप्स होने दिया। अब नए स्वरूप में यह बिल पेश हुआ है.

-सुन्दर सिंह चौहान

अधिकारी गम्भरीता से नहीं लेते पहाडी क्षेत्र की समस्याओं को-वर्मा

बीबीएन (गौतम).महलोग सभा की बैठक पट्टा स्थित कार्यालय में सभा के अध्यक्ष बीआर वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें पहाडी क्षेत्र की सडक, शिक्षा तथा स्वास्थ्य की दयनीय स्थिति पर रोष प्रकट किया। अध्यक्ष बीआर वर्मा ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि पहाडी क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधायें नाममात्र की हैं यहां पर आधे से भी ज्यादा पद खाली पडे हुए हैं। जिसको लेकर महलोग सभा ने अप्रैल महीने में पूरे पहाडी क्षेत्र का सर्वे करके मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा सम्बन्धित विभागाध्यक्ष एवं मन्त्रालय को भेजा था।पर हैरानी की बात है कि अभी तक तीन बार लिखित रूप में इन अधिकारियों को पहाड के स्वास्थ्य की कोई चिन्ता नहीं है। सभा ने कई बार पत्र लिखकर अधिकारी व मन्त्रियों को इन समस्याओं बारे अवगत कराया। परन्तु इनका हल नहीं हुआ है। यही हालात लोक निर्माण विभाग का है। हरिपुर से सुबाथु को जाने वाली स्टेट हाईवे की स्थिति पिछले डेढ वर्षो से खस्ता हालात में है। बांध–वानी पर डेढ वर्ष पहले दो पुलिया बरसात में बह गई थी जोकि आज तक जस की तस पडी हैं। विभाग को कई बार लिखित तौर पर वास्तविक स्थिति की जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए कहा गया। लेकिन बडे दुख की बात है कि विभागाध्यक्ष उनका जवाब तक देना भी अपनी जिम्मेवारी नहीं समझते।इससे साफ जाहिर होता है कि सरकारी बाबुओं पर नेताओं की कोई पकड नहीं है या फिर इन बाबुओं को किसी का डर नहीं है।

SALE

पांवटा हैंडलूम हाउस

SALE

करो योग रहो निरोग

मात्र 150 में आधुनिक डिजाइनों वाला पर्दा प्राप्त करें।

58 Main Road, Near O.B.C. Bank, Main Bazar
Paonta Sahib Distt. Sirmour (HP).
Mob:- 9805475588, 9412348300

एक बार सेवा का मौका अवश्य दें

❖ पर्दे
❖सोफा क्लाथ
❖ सोफा कवर
❖ पर्दे पाईप
❖कारपेट
❖रैक्सीन
❖पी.यू. फोम
❖टेबल क्लाथ

❖सोफा मटीरियल
❖डायनिंग एवंसेंटर
❖सोफा कुशल
❖गद्दे
❖बैड शीट
❖पायदान
❖फ्लोरिंग
❖तकिए

हिमवन्ती की बात

कर्नाटक में फिर येदियुरप्पा का डंका

कर्नाटक में विधानसभा के 15 सीटों के उप चुनावों में भाजपा को 12 सीटें मिल गई है जिससे मुख्यमंत्री येदियुरप्पा और मजबूत होकर उभरे हैं। गौरतलब है कि येदियुरप्पा ने कांग्रेस और जनता दल (एस) के बागीयों को अपनी पार्टी में जोड़ लिया था और उनकी मूल पार्टियों से उन्हें बगावत आ गई थी। जिससे विधानसभा अध्यक्ष इन सभी विधायकों की सदस्यता को दलबदल कानून के तहत समाप्त कर दिया था तो उन 15 सीटों पर उप चुनाव जो हुए हैं उसमें भाजपा ने 12 सीटों पर जीत हासिल कर अपनी सरकार को और स्थिरता दिलाने में कामयाबी हासिल की है। इसे यदि येदियुरप्पा का जीत कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति न होगी।

आम तौर उप चुनाव के नतीजे राजनीति को ज्यादा प्रभावित नही करते मगर कर्नाटक विधानसभा के यह उपचुनाव काफी महत्वपूर्ण थे क्योंकि यदि 15 सीटों में से जिनमें उप चुनाव हुआ है 6 से कम सीटें भाजपा को मिलती तो भाजपा की सरकार का गिरना तय था। लेकिन मुख्यमंत्री बी.एस.येदियुरप्पा सरकार ने 15 में से 12 सीटें हासिल कर अब अपने कार्यकाल के बचे साढ़े तीन साल के लिए एक स्थाई सरकार होने का दावा पेश कर दिया है। हालांकि कांग्रेस ने भी इस उपचुनाव में दो सीटें हासिल की हैं लेकिन 10 सीटें गंवा भी दी हैं इसलिए इससे कांग्रेस को एक बड़े झटके के रूप में देखा जा सकता है। जनता दल एस के पास तीन सीटें थी मगर वह एक भी सीट पर जीत हासिल नही कर सकी।

वर्ष 2018 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा 105 सदस्यों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। लेकिन 80 सीट जीतने वाली कांग्रेस और 37 सीट जीतने वाले जनता दल (एस) ने गठजोड़ कर अपनी सरकार बनाने में तो कामयाबी हासिल कर ली लेकिन वह स्थायी सरकार देने में कामयाब नहीं रहे। ज्यादा सीटों वाली कांग्रेस को कम सीटों वाले मुख्यमंत्री एच.डी. कुमार स्वामी की कार्यप्रणाली से संतुष्ट न होने पर अपनी सरकार गंवानी पड़ी थी।

महाराष्ट्र में सत्ता गंवाने के बाद कर्नाटक के उप चुनाव में मिली जीत से भाजपा को एक नई ताकत मिली है और झारखंड में जो चुनाव हो रहे हैं उसमें भाजपा अपनी इस जीत को अवश्य बनाना चाहेगी। भाजपा ने यद्यपि अपने नेताओं की उम्र 75 वर्ष की तय सीमा के अन्दर बांध रखी है लेकिन येदियुरप्पा 76 वर्ष के हो चुके हैं लेकिन उन्हें इस बंदिश से मुक्त रखा गया है।

कर्नाटक के उप चुनाव में भाजपा ने हालांकि जीत हासिल कर ली है लेकिन इसके लिए उनकी काबलियत कम और विपक्षी दलों की नालायकी अधिक दिखाई देती है क्योंकि भाजपा और जनता दल (एस) सरकार बनाने के बावजूद अपनी सरकार को बचाने में नाकाम रहने के बावजूद कोई सबक न ले सके और इन उप चुनावों में भी दोनों ने सभी 15 सीटों पर अलग–अलग अपने उम्मीदवार खड़े किये जिससे भाजपा आसानी से 15 में से 12 सीटों पर विजयी होने में कामयाब रही। यदि विपक्षी एक जुट होते तो शायद भाजपा को जीत का स्वाद न मिलता और जोड़–तोड़ की राजनीति को भी झटका लगता।

– अरविन्द गोयल

वनस्पति चर्चा

सोयाबीन

✍ पं.गौरी प्रसाद
पूर्व मंत्री

यदि आपसे कोई पूछे कि स्वास्थ्य के लिये उत्तम पौष्टिक और आदर्श खाद्यपदार्थ कौन सा है? यदि कोई जानना चाहे कि वह कौन सा अन्न है जिससे खाने पीने के लगभग सारे सुस्वादु खाद्यपदार्थ जैसे दूध, दही, मठ्ठा, मक्खन, पनीर, रबड़ी, देना, दुग्ध पाउडर, लड्डू आदि मिठाईयां, चाकलेट, बिस्कुट, हलुआ, जाम, जेली, मुरब्बा अचार, चटनी, शरबत, सब्जी, आटा, दाल, मैदा, अंकुरी, खिचड़ी, घुघनी, कोको, केसीन, तेल तथा ईधन तक तैयार किये जा सकते हैं। यदि कोई जिज्ञासा करे कि वह कौन सा खाद्य पदार्थ है

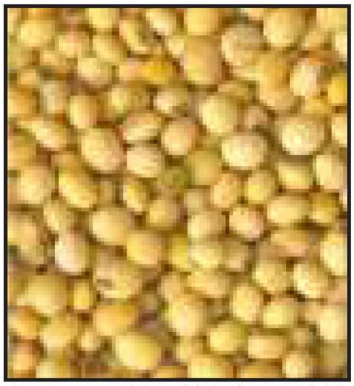

जो खाद्य के साथ–साथ रोगों की अव्यर्थ औषधि भी है तथा यदि कोई कहे कि हमें उस एक पौधे का नाम बताइये जिससे हम भोजन वस्त्र, आवास, औषधियों के अतिरिक्त जीवनापयोगी सारी आवश्यक चीजें जैसे रेशम, वाटरप्रूफ रबड़, चमड़ा, मोमबत्ती, साबुन, आयल क्वाथ, छापने की स्याही, खिलौना, वारनिस, सुगन्धित, सैलूलाइड, खली, खाद फसलों के ऊपर छिड़का जाने वाला उर्वरक, मवेशी के लिये चारा, कीड़ मकोड़ा मारने के लिए जहर, घर का छप्पर, विस्फोटक पदार्थ, पेट्रोल, तश्तरियां, टेलीफोन का सामान, कागज, डोरियां, सरेंस, कपड़ों पर देने के लिये मांड़ी तथा मोटरकार के पार्ट जैसे भापू के बटन, गियर, परिवर्तक दण्ड की कुण्डी, गाड़ी हांकने का चक्का, डिस्ट्रीब्यूटर के ढकने, गाड़ी के चक्के का तेल तथा हवाई जहाज के पार्टस प्राप्त कर सकेंगे आप बिना झिझक और दृढ़तापूर्वक उसे सोयाबीन के पौधे का नाम बता सकते हैं। तात्पर्य यह है कि चूंकि एक सोयाबीन का पौधा पृथ्वी पर सचमुच एक प्रत्यक्ष कलपतरू है और मंचूरिया, जो इसका मूल क्षेत्र अथवा वासस्थान है, वाले इसको इसी नाम से पुकारते भी हैं।

सोयाबीन को सोया और सेवदाना भी कहते हैं। हमारे देश के उन भागों में जहां के लोग इसे इस्तेमाल करते हैं इसे भटवास के नाम से पुकारते हैं। गत महायुद्ध में जर्मनी की सरकार सोयाबीन से बनी 'आइरन रेन्स पिल' नाम की एक तरह की एक गोली अपने लड़ाकू सिपाहियों को देने लगी थी जिसके प्रभाव से उन सैनिकों को फिर किसी भी अन्य चीज के खाने की आवश्यकता न होती थी और शक्ति भी अक्षुण्य बनी रहती थी, तब से जर्मनी में सोयाबीन का नाम जादू का बीज प्रसिद्ध हो गया।

सोयाबीन बोने के बाद सात आठ दिन के अन्दर ही उसका पौधा उग आता है। पौधा उगने के पांच सप्ताह बाद उसमें फूल निकलने आरम्भ हो जाते हैं। इसके फूल छोटे–छोटे और रक्त रंग के होते हैं। इनसे बहुत ही अच्छी मीनी–मीनी खुशबू आती है। फूल खिलने के तीन सप्ताह बाद इसमें सोयाबीन की फलियां निकलनी आरम्भ हो जाती हैं जो हरे रंग की होती हैं। ये फलियां जब पक कर पीली पड़ जाती हैं तब तोड़ ली जाती हैं।

सोयाबीन –रक्त, उसकी लाली और गति तीनों को बढ़ाता है। इसके प्रयोग से त्वचा में निखार आ जाता है और उसका रूखापन मिटकर वह सतेज, चिकनी और मुलायम हो जाती है। यह नेत्रों को स्वच्छ और साफ रखती है तथा नाखूनों को सुर्ख और मसूड़ों को मजबूत वजन बढ़ता है, ऊंचाई बढ़ती है, स्नायु मजबूत होते हैं तथा चर्म रोग नहीं होते। इसके प्रयोग से दीर्घायुष्य की भी प्राप्ति होती है।

आज से लगभग 40 वर्ष पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने 'हरिजन' पत्र में सोयाबीन के प्रयोग पर जोर देते हुए लिखा था –"आश्रम में हम आजकल सोयाबीन का प्रयोग कर रहे हैं। सोयाबीन को कुछ घंटे भिगोकर खूब अच्छी तरह पका लेते हैं। पानी छान कर उसमें इमली और नमक मिलाकर खाने पर यह बड़ा स्वादिष्ट बन जाता है। प्रतिदिन प्रत्येक व्यक्ति को एक छटांक से डेढ़ छटांक तक सोयाबीन दिया जाता है। सोयाबीन में विटामिन 'ए' और 'बी' पर्याप्त मात्रा में मिलते हैं। अंकुर निकल आने पर इसमें विटामिन 'सी' भी मिलता है।

सोयाबीन चूंकि दूध से भी अधिक सुपाच्य होता है, इसलिए रोगमुक्त हुए रोगी, शिशु, वृद्ध सभी इसे आसानी से पचा सकते हैं। हमारे शरीर को नित्य जितने विटामिन 'बी' की जरूरत है, अगर 9 तोले सोयाबीन किसी भी रूप में नित्य खाये जायें तो उसकी पूर्ति सहज ही में हो जाऐगी और अगर 16 तोले सोयाबीन नित्य खाये जायें तो आवश्यक विटामिन 'बी' और लोहा–दोनों की पूर्ति होगी, साथ ही प्राटीन की भी। इस तरह भोजन में असन्तुलन और शरीर में पोषक तत्वों की कमी को सोयाबीन द्वारा दूर किया जा सकता है। बच्चों को नाश्ते में सोयाबीन देकर देखिए। आप यह देखकर हैरान हो जायेंगे कि उनके अंग प्रत्यंग बड़ी तेजी से विकसित हो रहे हैं। युवक और वयस्क सोयाबीन को खाकर शारीरिक और स्नायुविक बल प्राप्त कर सकते हैं। वृद्धों के लिये भी सोयाबीन एक अत्यन्त पौष्टिक खाद्य है क्योंकि द्विदल जातीय अन्य अन्नों को भांति यह खाने पर पेट में भारीपन नहीं लाता और शीघ्र ही पच जाता है।

सरकार के प्रयासों से स्वर्ण महाशीर को लुप्त होने से बचाया गया

दुनिया की सबसे कठिन मछली माने जाने वाली स्वर्ण महाशीर के लिए शुरू की गई संरक्षण योजना के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के जलाशयों और नदियों में इस प्रजाति को विलुप्त होने से बचा लिया गया है।

देश से लगभग विलुप्त हो चुकी स्वर्ण महाशीर की संख्या में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है। प्रदूषण के कारण वाशिंगटन स्थित इंटरनेशनल यूनियन आफ कंजर्वेशन ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज द्वारा इस प्रजाति को खतरे में पड़ने की घोषणा की गई है।

मंडी जिले के मछियाल में कृत्रिम प्रजनन के माध्यम से माहशीर को सफलतापूर्वक उत्पादन किया जा रहा है। राज्य सरकार जिला शिमला के सुन्नी में नई महाशीर हैचरी एवं कार्प प्रजनन इकाई स्थापित कर रही है, जहां सुरक्षित परिस्थितियों में प्रजनन के तरीकों को विकसित करने पर 296.97 लाख रुपये की अनुमानित लागत आएगी। यह राज्य में मछली फार्म के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। हिमाचल प्रदेश देश में माहशीर मछली उत्पादन का एक गढ़ बन गया है। इस वर्ष 10–12 हजार रिकॉर्ड उच्चतम हैचिंग की उम्मीद है।

वर्ष 2016 – 17, 2017–18 और 2018–19 के दौरान राज्य में लगभग क्रमशः 19800 अंडे, 20900 अंडे और 28700 अंडे की गोल्डन माहशीर का उत्पादन किया गया। राज्य ने वर्ष 2018–2019 में सबसे अधिक 45.311 एमटी माहशीर कैच दर्ज किए हैं, जो बेहतरीन खेल–मछली में से एक है और भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों के मनोरंजन का एक स्रोत है। राज्य ने वर्ष 2018 में क्रमशः गोबिंद सागर (16.182 मीट्रिक टन), कोल डेम (0.275 मीट्रिक टन), पौंग बांध (28.136 मीट्रिक टन) और रणजीत सागर (0.718 मीट्रिक टन) से माहशीर उत्पादन दर्ज किया।

वर्तमान में, राज्य में 10893 परिवार मत्स्यपालन में शामिल हैं। राज्य ने वर्ष 2017–18 वर्ष 2018–19 और वर्ष 2019–20 (वर्तमान तक) में क्रमशः 20900, 28700 और 41450 माहशीर मछली अंडों का उत्पादन दर्ज किया।

पशुपालन और मत्स्य पालन मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा कि राज्य सरकार मछली के संरक्षण को विभिन्न प्रभावी कदम उठा रही है जिनमें ऑफ सीजन के दौरान पनबिजली शक्ति से 15 प्रतिशत पानी का स्त्राव जारी करना और नियमित रूप से गश्त के माध्यम से मछली का संरक्षण करना आदि शामिल है।

महाशीर मछली इस पहाड़ी राज्य के लगभग 500 किमी क्षेत्र में मौजूद है जिसमें से कुल 3000 किमी की नदियां हैं। महाशीर सर्वश्रेष्ठ खेल मछली में एक है जो दुनिया के विभिन्न हिस्सों से मछली पकड़ने वालों (एंग्लरों) को आकर्षित करती है। हिमाचल में विशेष रूप से दो प्रजातियां टोर प्यूटोरा और टो टोर पाई जाती हैं। लुप्तप्राय प्रजातियों के रूप में घोषित होने के बावजूद, यह राज्य में बहुतायत से पाई जाती है जो राज्य के जलाशयों में विशेष रूप से पोंग जलाशय में पाई जाती है।

माहशीर के त्रिम प्रजनन का मुख्य उद्देश्य इको–टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए महाशीर के बीज का संरक्षण और उसकी देखभाल है। राज्य की नदियों में मछियाल नामक कई प्राकृतिक महाशीर अभयारण्य हैं जहां लोग आध्यात्मिक रूप से इनका संरक्षण करते हैं। मत्स्य पालन विभाग भी मत्स्य अधिनियम और नियमों को कड़ाई से लागू करके मछली संरक्षण के लिए प्रयासरत है।

गछलियों को बाजार तक पहुंचाने के लिए मोबाइल फिश बाजारों में छह मोबाइल वैन का उपयोग किया जा रहा है। जलाशय मछुआरों को इंसुलेटेड बॉक्स भी प्रदान किए गए हैं। राज्य के जल निकाय 85 मछली प्रजातियों के घर हैं, जिनमें रोहू, कैटला और गृगल और ट्राउट शामिल हैं। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 492.33 एमटी मछली राज्य के बाहर विपणन की गई।

पोस्टमार्टम में हुआ खुलासा हैंगिग से मरा सर्वजीत

बीबीएन (शांति गौतम). बददी के निकट ग्राम पंचायत हरिपुर संडोली के तहत कल्याणपुर गांव में जेसीबी से लटककर हुई मौत के मामले आईजीएमसी शिमला की पोस्ट मार्टम की रिपोर्ट आ गई है। पोस्ट मार्टम रिपोर्ट में डाक्टरों के पैनल ने इस बात का उल्लेख किया है कि जेसीबी चालक सर्वजीत सिंह निवासी घनौला पंजाब जिला रोपड की मौत गर्दन के ज्यादा लटकने से हुई है। एस.पी.बददी रोहित मालपानी ने बताया कि पोस्ट मार्टम की रिपोर्ट में लिखा है कि मरने से पहले सर्वजीत से किसी भी प्रकार की मारपीट नहीं हुई थी। न ही उसके संपूर्ण शरीर पर कहीं भी चोट के निशान पाए गए। इसके अलावा पोस्ट मार्टम में यह भी लिखा है कि सर्वजीत को मार कर यहां नहीं लटकाया गया है यानि लटकाने से पहले गला घोंट कर उसकी मौत नहीं हुई। उसकी मौत गले में फंदा डालने से और गर्दन ज्यादा खींचने से हुई थी। एस.पी रोहित मालपानी ने कहा कि पुलिस इस पेचीदा मामले की गहराई से जांच कर रही है कि इसने आत्महत्या की या इसकी हत्या हुई है। उन्होने कहा कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उस दिन मामले से जुडे हर व्यक्ति के बयान कलमबंद कर रही है और उसकी कंपनी के मालिक की भी पूरी गतिविधि भी खंगाली जा रही है। उन्होने कहा कि जल्द ही यह मामला हल कर लिया जाएगा और उससे पहले सभी पहलूओं को ध्यान में रखा जा रहा है। केस से जुडे लोगों के मोबाईल भी खंगाले जाएंगे और टावर लोकेशनें भी देखी जाएगी इसलिए अभी इस मामले को हल होने में समय लगेगा लेकिन सच्चाई जल्द ही सामने आ जाएगी। पुलिस अधिकारी कडी मेहतन और शिददत से इसमें निष्पक्ष जांच कर रही है।

निःशुल्क शिविर में 95 लोगों का जांचा स्वास्थ्य

बददी (गौतम). विश्व मानव रूहानी केन्द्र नवां नगर की ओर से बददी के निकट ग्राम पंचायत ठाणा में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में योग्य और अनुभवी चिकित्सकों ने 95रोगियों की जांच की और उनको नियशुल्क दवाइयां बांटी। रूहानी केन्द्र के महासचिव ने बताया कि हमारी संस्था एक लाभ–निरपेक्ष, परोपकारी एवं अध्यात्मिक संस्था है जो जाति धर्म, रंग तथा वर्ण के भेद भाव के बिना कार्य करती है। संस्था की ओर समाज सेवा कार्यक्रमों की श्रृंखला के अन्तर्गत ऐसे चिकित्सा शिविर लोक भलाई के लिए लगाये जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमें मानव जीवन दूसरों की सेवा के लिए मिला है नकि भोग विलास करने के लिए। यह शरीर एक न एक दिन चले जाना है इसलिए अन्तिम सांस तक अगर हम दूसरों की पीडा हरने के लिए कुछ कर सकें तो यही हमारे जीवन का असली मोक्ष है।

नायब तहसीलदार ने सुनी लोगों की फरियाद

कोटली सड़क में गडडों को भरने को दिए आदेश

राजगढ़ (बी.आर.चौहान). राजगढ़ के वार्ड नंबर सात कोटली को जोड़ने वाली सड़क के गडडे को भरने का कार्य आखिर छः मास उपरांत नगर पंचायत के नए सचिव एवं नायब तहसीलदार संत्येन्द्र जीत के प्रयासों से आरंभ हो गया। जिसके लिए इस वार्ड के लोगों ने नायब तहसीलदार का आभार जताया है। बता दें कि भारी बरसात के नगर पंचायत राजगढ़ के वार्ड नंबर सात कोटली गांव को जोड़ने वाली सड़क पूरी तरह से गडडों में तबदील हो चुकी थी जिस कारण लोगों को वाहन चलाने में बहुत दिक्कत पेश आ रही थी।

वार्ड नंबर सात के नागरिक धर्मपाल, रमेश कुमार, रवि कुमार, सेवक राम ने बताया कि उनके द्वारा अनेकों बार अध्यक्ष नगर पंचायत व अन्य अधिकारियों से गुहार लगाई परंतु गत छः माह से सड़क मुरम्मत करवाने में कोई नगर पंचायत द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई जबकि नगर पंचायत के अध्यक्ष वार्ड नंबर का प्रतिनिधित्व करते हैं। यहां तक कि लोगों द्वारा मुख्यमंत्री हेल्पलाईन पर भी शिकायत दर्ज करने के उपरांत भी नगर पंचायत के पदाधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। उन्होने बताया कि नगर पंचायत के सचिव एवं तहसीलदार के अवकाश पर जाने से उनका चार्ज अस्थाई तौर पर नायब तहसीदार सत्येंद्रजीत को मिला। वार्ड के लोगों द्वारा सड़क की मुरम्मत करने बारे नए सचिव सत्येंद्रजीत से आग्रह किया गया और उन्होने तुरंत नगर पंचायत के तकनीकी विंग को इस सड़क की मुरम्मत करने के आदेश दिए। लोगों ने हैरानी प्रकट करते हुए कहा कि नगर पंचायत द्वारा जानबूझकर इस सड़क की मुरम्मत न करवा कर लोगों को परेशान किया जा रहा था।

उन्होने बताया कि वार्ड नंबर सात में समस्याओं का अंबार है। ग्रामीण क्षेत्र होने से इस वार्ड में पेयजल की काफी समस्या है। इसके अतिरिक्त इस वार्ड में नपं द्वारा सफाई की कोई व्यवस्था नहीं की गई। कोई भी कूड़ादान इत्यादि स्थापित नहीं किए गए है लोग अपनी सुविधानुसार कूड़ा कचरा इधर उधर फैंक देते हैं। इस वार्ड में सैंकड़ो बीघा खेती योग्य भूमि है परंतु 28 वर्षों में नगर पंचायत द्वारा इस वार्ड के किसानों के लिए सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए कोई योजना नहीं बनाई है। लोगों ने सरकार से मांग की है कि इस वार्ड के किसानों के हितों को मध्यनजर रखते हुए सिंचाई योजना तैयार की जाए ताकि किसान नकदी फसलें उत्पादित कर अपनी आर्थिकी सुदृढ़ कर सके।

पाप कहाँ कहाँ तक जाता है, पापी कौन ?

एक बार एक ऋषि ने सोचा कि लोग गंगा में पाप धोने जाते है, तो इसका मतलब हुआ कि सारे पाप गंगा में समा गए और गंगा भी पापी हो गयी !

अब यह जानने के लिए तपस्या की, कि पाप कहाँ जाता है ?

तपस्या करने के फलस्वरूप देवता प्रकट हुए , ऋषि ने पूछा कि भगवन जो पाप गंगा में धोया जाता है वह पाप कहाँ जाता है ?

भगवन ने जहा कि चलो गंगा से ही पूछते है, दोनों लोग गंगा के पास गए और कहा कि "हे गंगे ! जो लोग तुम्हारे यहाँ पाप धोते है तो इसका मतलब आप भी पापी हुई !"

गंगा ने कहा "मैं क्यों पापी हुई, मैं तो सारे पापों को ले जाकर समुद्र को अर्पित कर देती हूँ !"

अब वे लोग समुद्र के पास गए, "हे सागर ! गंगा जो पाप आपको अर्पित कर देती है तो इसका मतलब आप भी पापी हुए !"

समुद्र ने कहा "मैं क्यों पापी हुआ, मैं तो सारे पापों को लेकर भाप बना कर बादल बना देता हूँ !"

अब वे लोग बादल के पास गए और कहा "हे बादलो ! समुद्र जो पापों को भाप बनाकर बादल बना देते है, तो इसका मतलब आप पापी हुए !"

बादलों ने कहा "मैं क्यों पापी हुआ,

मैं तो सारे पापों को वापस पानी बरसा कर धरती पर भेज देता हूँ, जिससे अन्न उपजता है, जिसको मानव खाता है, उस अन्न में जो अन्न जिस मानसिक स्थिति से उगाया जाता है और जिस वृत्ति से प्राप्त किया जाता है, जिस मानसिक अवस्था में खाया जाता है ,

उसी अनुसार मानव की मानसिकता बनती है !"

शायद इसीलिये कहते हैं .."जैसा खाए अन्न, वैसा बनता मन"

अन्न को जिस वृत्ति द्ध कमाई ऋ से प्राप्त किया जाता है और जिस मानसिक अवस्था में खाया जाता है, वैसे ही विचार मानव के बन जाते है !

इसीलिये सदैव भोजन सिमरन और शांत अवस्था मे करना चाहिए और कम से कम अन्न जिस धन से खरीदा जाए वह धन ईमानदारी एवं श्रम का होना चाहिए।

(25 दिसम्बर तुलसी पूजन दिवस)

सुख-शांति, समृद्धि व आरोग्य प्रदायिनि तुलसी

तुलसी का स्थान भारतीय संस्कृति में पवित्र और महत्वपूर्ण है।यह माँ के समान सभी प्रकार से हमारा रक्षण व पोषण करती है।तुलसी पूजन, सेवन व रोपण से आरोग्य–लाभ, आर्थिक लाभ के साथ ही आध्यात्मिक लाभ भी होते है।

देश में सुख, सौहार्द , स्वास्थ्य, शांति से जन–समाज का जीवन मंगलमय हो इस लोकहितकारी उद्देश्य से प्राणिमात्र के हितचिंतक पूज्य संत आसारामजी बापू की पावन प्रेरणा से वर्ष 2014 से 25 दिसम्बर को 'तुलसी पूजन दिवस' मनाना प्रारम्भ हुआ।इसकी लोकप्रियता विश्वस्तर पर देखी गयी।तुलसी पूजन से बुद्धिबल, मनोबल, चारित्रयबल व आरोग्यबल बढ़ेगा।मानसिक अवसाद, आत्महत्या आदि से लोगों की रक्षा होगी और लोगों को भारतीय संस्कृति के इस सूक्ष्म ऋषि–विज्ञान का लाभ मिलेगा।

'**स्कंद पुराण** के अनुसार जिस घर में तुलसी का बगीचा होता है (एंव प्रतिदिन पूजन होता है), उसमें यमदूत प्रवेश नही करते।' तुलसी की उपस्थिति मात्र से हलके स्पदनों, नकारात्मक शक्तियों एंव दुष्ट विचारों से रक्षा होती है।

'गरूड़ पुराण' के अनुसार 'तुलसी का पौधा लगाने ,पालन करने, सींचने तथा ध्यान, स्पर्श और गुणगान करने से मनुष्यों के पूर्व जन्मार्जित पाप जलकर विनष्ट हो जाते है।

दरिद्रता मिटाने व सुख–सम्पदा पाने हेतु –जो दारिद्रय मिटाना व सुख–सम्पदा पाना चाहता है, उसे तुलसी पूजन दिवस के अवसर पर शुद्ध भाव व भक्ति से तुलसी के पौधे की 108 बार परिक्रमा करनी चाहिये।

ईशान कोण में तुलसी का पौधा लगाने से बरकत होती है।

तुलसी एक, लाभ अनेक:–तुलसी शरीर के लगभग समस्त रोगों में अत्यतं असरकारक औषधि है।

यह प्रदूषित वायु का शुद्धिकरण करती है तथा इससे प्राणघातक रोग भी ठीक हो सकते है।

प्रातः खाली पेट तुलसी के 4–5 पत्ते चबाकर पानी पीने से बल, तेज और स्मरणशक्ति बढ़ती है।

तुलसी गुर्दे की कार्यशक्ति को बढ़ाती है। कोलेस्ट्रेल को सामान्य बना देती हैं। हृदयरोग में आश्चर्यजनक लाभ करती है। ऑतों के रोगों के लिये तो यह रामबाण है।

तुलसी एक अद्‌भुत औषधि है, जो ब्लडप्रेशर व पाचनतंत्र के नियमन, रक्तकणों की वृद्धि एंव मानसिक रोगों में अत्यंत लाभकारी है।

तुलसी के निकट जिस मंत्र–स्तोत्र आदि का जप–पाठ किया जाता है, वह सब अनंत गुना फल देने वाला होता है।

मृत्यु के समय जो तुलसी–पत्ते सहित जल का पान करता है, वह सम्पूर्ण पापों से मुक्त होकर विष्णुलोक में जाता है।

वैज्ञानिक तथ्य:– तिरूपति के एस.वी. विश्वविद्यालय में किये गये एक अध्ययन के अनुसार 'तुलसी का पौधा उच्छ्वास में ओजोन वायु छोड़ता है, जो विशेष स्फूर्तिप्रद है।

आभामंडल नापने के यंत्र–यूनिवर्सल स्कैनर' के माध्यम से एक व्यक्ति पर जब परीक्षण किया गया तो यह बात सामने आई कि तुलसी के पौधे की 9 बार परिक्रमा करने पर उसके आभामंडल के प्रभाव–क्षेत्र में 3 मीटर की आश्चर्यकारक बढ़ोतरी हो गई।

तुलसी पूजन विधि:– 25 दिसम्बर को सुबह स्नानादि के बाद घर के स्वच्छ स्थान पर तुलसी के गमले को जमीन से कुछ ऊँचें स्थान पर रखें। उसमें यह मंत्र बोलते हुए जल चढ़ाये। **महाप्रसादजननी सर्वसौभाग्यवर्धिनी। आधि व्याधि हरिर्नित्यं तुलसी त्वां नमोस्तुते।।** फिर 'तुलस्यै नमः' मंत्र बोलते हुए तिलक करें, अक्षत(चावल) व पुष्प अर्पित करें तथा वस्त्र व कुछ प्रसाद चढ़ायें।दीपक जलाकर आरती करें और तुलसीजी की 7,11,21,51,या 108 बार परिक्रमा करें। उस शुद्ध वातावरण मे शांत हो के भगवत्प्रार्थना एंव भगवन्नाम या गुरूमंत्र का जप करें।तुलसी के पास बैठकर प्राणायाम करने से बल, बुद्धि और ओज की वृद्धि होती है।

तुलसी–पत्ते डालकर प्रसाद वितरित करें। तुलसी के समीप रात्रि 12 बजेतक जागरण कर भजन, कीर्तन ,सत्संग–श्रवण व जप करके भगवद्–विश्रांति पाये।तुलसी – नामाष्टक का पाठ भी पुण्यकारक है। तुलसी–पूजन अपने नजदीकी आश्रम या तुलसी वन में अथवा यथा–अनुकूल किसी भी पवित्र स्थान में कर सकते है।

तुलसी नामाष्टक:–भगवान नारायण देवर्षि नारदजी से कहते है : 'वृदा, वृदावनी, विश्वपानी, विश्वपूजिता, पुष्पारा, नंदिनी, तुलसी और कृष्णजीवनी–ये तुलसी देवी के आठ नाम है। यह सार्थक नामावली स्तोत्र के रूप मे परिणत हैं। जो पुरूष तुलसी की पूजा करके इस नामाष्टक का पाठ करता है, उसे अश्वमेघ यज्ञ का फल प्राप्त हो जाता है।

''तुलसी के थोड़े पत्ते पानी में डालकर उसे सामने रखकर भगवद्‌गीता का पाठ करें फिर घर के सभी लोग मिल के भगवन्नाम–कीर्तन करके हास्य–प्रयोग करें और वह पवित्र जल सब लोग ग्रहण करें। यह प्रयोग करने से घरे के झगड़े मिटते है, शराबी की शराब छूटती है और घर में सुख–शांति का वास होता है।

सभी मनुष्यों की भलाई, तंदुरूस्ती, प्रसन्नता व आत्मविश्वास:–25 दिसम्बर से 1 जनवरी क दौरान शराब आदि नशीले पदार्थो का सेवन, आत्महत्या जैसी घटनायें, युवाधन की तबाही एंव अवांछनीय कृत्य खूब होते है। इसलिये विश्वमानव के कल्याण के लिये पूज्य बापूजी का आवाहन है। ''25 दिसम्बर 1 जनवरी तक तुलसी–पूजन,जप–माला,गौ–पूजन,हवन, गौ – पूजन–गौ–गीता–गंगा जागृति यात्रा सत्संग आदि कार्यक्रम आयोजित हों, जिससे सभी की भलाई हो, तुरन्त तंदुरूस्त व मन प्रसन्न रहे तथा बुद्धिदाता का प्रसाद प्रकट हो।गौ,गगां, तुलसी से ओजस्वी–तेजस्वी बनैंव गीता–ज्ञान से अपने मुक्तात्मा, महानात्मा स्वरूप को जानें।

Contact for :
Interlocking Paver Blocks,
Fancy Blocks, Curve Stones Etc.
for Durable and Beautiful Pavements.

Mob : 9318005024, 9418005024

कारावास के दिन सादे और अनुभव

एक पाशविक शैतान

✍ शेरजंग
अनुवादक : निर्मला शेरजंग

प्रसिद्ध क्रांतिकारी व हिमाचल के शेर के नाम से विख्यात शेरजंग जो ज़िला सिरमौर से ताल्लुक रखते थे, इस महान् हस्ती ने सिरमौर का नाम पूरे देश में ऊँचा किया और यह परिवार आज भी उनके पौत्र मशहूर निशानेबाज समरेश जंग के रूप में सिरमौर का नाम पूरे विश्व में ऊँचा कर रहा है। उनके द्वारा अंग्रेजी में लिखित "ट्रिस्ट विथ टाईगर" नामक पुस्तक का हिन्दी में रूपान्तर "शेरों से मेरी मुलाकातें" तथा 'मैं घुम्मकड़ वनों का' उन्हीं की भार्या प्रख्यात शिक्षाविद् व लेखिका निर्मला शेरजंग द्वारा किया गया तथा 'हिमवन्ती' समाचार में क्रमवार छपे शेरजंग की इस विश्व प्रसिद्ध पुस्तक के अंशों को पाठक पढ़ भी चुके हैं।

इसी श्रृंखला में एक अन्य पुस्तक 'कारावास के दिन' भी हम अपने पाठकों के सम्मूख प्रस्तुत करने जा रहे हैं। आशा है पाठकगण हमारे इस प्रयास की सराहना करेंगे और यह हमारी ओर से शेरजंग व उनकी पत्नी निर्मला शेरजंग को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। **–सम्पादक**

मेरी कोठरी काल कोठरी नहीं थी, तथापि वह मनुष्यों के रहने योग्य नहीं थी। लोहे के बड़े दरवाज़े के कारण दिन का प्रकाश अंदर नहीं आ सकता था। लोहे के दरवाज़े के साथ लोहे की सलाखों वाला दरवाज़ा भी था। दरवाज़े में छत के निकट एक छोटी सी खिड़की थी जिससे प्रकाश की कुछ किरणें अंदर आती थीं और दिन में कोठरी के अंदर सांध्य–प्रकाश जैसी रोशनी हो जाती थी। रात के समय कोठरी में धुप अँधेरा था– इतना गहरा की व्यक्ति उससे टकराकर उसके दबाव को अनुभव कर सकता था। अँधेरे के दबाव और सन्नाटे की घुटन से दम घुटता था। जेल ही एक ऐसा स्थान है जहाँ हवा इतनी बहरी, गूँगी और अंधी हो सकती है।

बहुत समय के दुर्व्यवहार और पेटभर खाना न मिलने के कारण मेरा स्वास्थ्य बिगड़ गया था। मुझे लगातार हलका–हलका बुखार रहने लगा था। उसके अतिरिक्त, मुझे खाँसी भी हो गई थी। खाँसते–खाँसते मेरी पसलियाँ दुखने लगती थीं जिनकी पिटाई सरफराज़ खाँ रोज़ करते थे। सुबह उठने के लिए मुझे बहुत मानसिक और शारीरिक बल लगाना पड़ता था। कोठरी के अंदर मेरे पास करने के लिए कुछ नहीं था। मैं मन–ही–मन उन गुंडों के आने और पिटाई खाने के लिए अपने आप को तैयार करता रहता था। लेकिन अब तो वह भी खत्म हो चुका था। मैं इतना कमज़ोर हो गया था कि नियमित रूप से वे अब मेरी पिटाई भी नहीं कर सकते थे।

रोज़ की पिटाई दु:खदायी अवश्य थी, परंतु उसका भी एक लाभ था; उसने मेरी नफ़रत को ताज़ा बना रखा था। मैं बदला लेने के विषय में सोचता रहता था। अब जब पिटाई का क्रम खत्म हो गया तो मैं इधर–उधर की सोचने लगा। मेरी अब जीने की इच्छा कमज़ोर पड़ने लगी थी। यद्यपि मैं अपनी मानसिक स्थिरता को बनाए रखने में सफल रहा, किंतु उस चेष्टा ने मुझे थका दिया। मैं बहुत कमज़ोर हो गया। मृत्यु पास आती दिखाई देने लगी– मैं उसके ठंडे स्पर्श को अनुभव कर रहा था। मेरे लिए वे दिन अत्यधिक कठिन हो गए थे। मुझे अपनी बेकार जवानी और अधूरे सपनों पर खेद होता था।

नादानी में बिताए हुए कारावास के पहले दिन मुझे याद आते थे। उन्होंने मुझे धूल –काँटों से भरी अनजानी पर अकेले छोड़ दिया था। मैं अपनी राह के अंतिम छोर पर पहुँच गया था। यहाँ से मैं अब अपने जीवन के पिछले दिनों को निहार सकता था। मैं चकित था, मुझे क्यों उन पिछले दिनों में कुछ भी दिखाई नहीं पड़ा। केवल कुछ इधर – उधर बिखरी घटनाएँ याद आई। पुरानी रीतियों में उलझी दुनिया, अहंकार में चूर अधिकारी और मिथ्या व्यावहारिक नियम नज़र नहीं आए। अपनी उस अँधेरी कोठरी में मुझे उस प्रत्येक नवयौवना का चेहरा नज़र आया जिन्हें मैं कारावास के दिनों से पहले जानता था–इससे मुझे सुख मिलता था। उन युवतियों के लिए मेरे मन में तीव्र इच्छा होती थी, किंतु नैतिकता के भाव और मिथ्या अहंकार के बोझ के नीचे मैंने अपनी इच्छा को दबा रखा था। अब उनके मुसकराते चेहरे मुझे दिखाई देते थे और उनके साथ–साथ मैं अपनी इच्छाओं के सूखे पुष्प भी देखता था और दु:खी होता था। मैंने केवल काँटे ही बटोरे। मेरी जवानी के गर्व की दुनिया अब तेज़ी से चकनाचूर हो रही थी और टूटते हुए वह क्रिसटीना रोसेटी के सुर में गाती थी।

'खेद है प्यार के उन अवसरों पर, जिन्हें मेरी जवानी/माला के मनकों की भाँति, हाथ से छोड़ती गई। युवावस्था अमर रहना चाहती है और यह संभव नहीं। किंतु वह समझौता करने को तैयार नहीं होती। अतएव संपूर्ण जगत् की अवहेलना करते हुए वह टैगोर के इस गीत को गुनगुनाने लगती है :आमी जालाबो न मोर बातायन प्रोदीप....

मैं गंभीर निराशा में था, मौत की छाया मुझे अपने चारों ओर मँडराती दिखाई देती थी। परिणामस्वरूप मेरे लिए टैगोर की अगली पंक्तियों के अलग ही अर्थ बन गए:

मेरे शरीर और आत्मा को, अँधेरे में खो जाने दो। मेरी खोज खत्म हो चुकी है, अब मैं–उत्सुकता से तुम्हारे आने की इंतजार में हूँ।

मेरे मन में मौत का विचार घर कर गया था। वह मेरे दिल और दिमाग पर छा गया था। महीनों से मैं मौत के सपने, तरह–तरह के सपने, देख रहा था। मुझे पक्का विश्वास हो गया था कि मेरी मौत होने ही वाली है। मैंने शीशे के उस टुकड़े को फेंक दिया जिसे मैं समय आने पर अपनी नस काटने के लिए अपने पास रखे हुए था। मुझे अब वह अनावश्यक लगा– मुझे विश्वास हो गया था कि मेरी बीमारी मेरा अंत कर देगी।

फिर भी मुझे आज लगता है कि मानसिक रूप से मैं मरने के लिए तैयार नहीं था। कभी–कभी मेरे मन में ऐसे विचार आते थे जो यह झुठला देते थे कि मैं मृत्यु की प्रतीक्षा कर रहा था। मैं सोचता था, 'जब मैं जेल से छुटकर जाऊँगा और अपने मित्रों को अपनी कहानी, आपबीती सुनाऊँगा तो वे घबराकर अपना दिल थाम लेंगे और कहेंगे, 'वह सब कितना भयंकर था'। तब मैं मन–ही मन कहूँगा; आखिर वह उतना भयंकर नहीं जितना वे सोचते हैं।'

कितना अजीब है यह सब! कितनी लचक है मनुष्य की सहनशीलता में! किस ढिठाई के साथ के मन में आशा बनी रहती है।

महीने पर महीना गया, और सरफराज़ का आना कम होता गया। मेरे मन की उदासी और निराशा बढ़ती गई। मेरा हलका बुखार मेरी हड्डियों को खा रहा था, मेरी खाँसी बढ़ गई थी, मुझे ठीक तरह सोने भी नहीं देती थी। जेल के अँधेरे में जब दो हजार से अधिक कैदी सोए हुए होते थे, मैं अकेला पड़ा प्यासा और खाँसता हुआ करवटें बदलता रहता था। मुझे लगता था कि कुछ ही दिनों में– अधिक–से अधिक कुछ सप्ताहों में –मौत मुझे लेगी। इसलिए 'मौत कब आएगी', इसकी मुझे चिंता नहीं रही।

किन्तु हास्यस्पद तो यह है कि मनुष्य यह विश्वास ही नहीं कर पाता कि सब कुछ खत्म हो चुका है। अपनी मौत पर किसको विश्वास होता है? विशेषकर, जब वह सामने खड़ी दिखाई देती हो। मौत व्यक्ति के जितने निकट होती है, उतना ही उसमें उसका अविश्वास बढ़ जाता है।

सभी मनुष्य हैं –एक से मनुष्य। अंतर केवल इतना है कि कुछ में विकास की क्षमता अधिक होती है और कुछ में कम साथ–साथ होते

यह सही है कि मुझे दिन में कम–कम एक बार 'कुछ क्षणों के लिए वास्तविकता का आभास होता था। उस समय मन में कोई अन्य विचार नहीं आता था जो मुझे शांति दे सके। मैं दु:ख और भय के साथ अपने जीवन को खत्म होते देखता था। परंतु अन्य विचारों की भाँति यह विचार भी शीघ्र ही मन से निकल जाता था। मैंद पुन: दु:खी होकर खाँसता और करवटें बदलने लगता था। जेल से भाग निकलने और दुष्टों से बदला लेने के विचार मुझे सदा सताते रहते थे।

उस सारी अवधि में किसी ने मेरी चिकित्सा का प्रबंध नहीं किया; यद्यपि जेल में जेल का अपना अस्पताल था। उसमें पर्याप्त डॉक्टरों के साथ चिकित्सा के पूरे साधन भी उपलब्ध थे। उसमें तपेदिक के रोगियों के लिए अलग स्थान की व्यवस्था थी। रोगियों की देखभाल और दवाई इत्यादि का भी अलग से प्रबंध था। यहाँ तपेदिक के रोगियों को अन्य सब मरीज़ों से अलग रखने का भी प्रबंध था। पंजाब भर के तपेदिक के कैदी इलाज के लिए यहाँ भेजे जाते थे।

हिमवन्ती बाल क्लब के सदस्य बनना चाहते है ?

तो 14 वर्ष तक की उम्र के बालक/बालिकाए आपने प्यारे से एक फोटो सहित तुरन्त सादे कागज पर निम्न जानकारी के साथ आवेदन करें।

नाम, जन्मतिथि–स्थान, माता–पिता का नाम, भाई–बहन का नाम, दादा –दादी,नाना–नानी, माम–मामी, बुआ–मौसी चाचा–चाची, मित्रों के नाम, प्रधानाचार्य व स्कूल का नाम व क्लास टीचर, प्यार अधिक कौन करता है, बडे होकर बनेंगे, खाने में पसन्द तथा रुचि आदि।

अर्जुन प्रकाश गोयल अध्यक्ष

अर्नव सिंघल महासचिव

हिमवन्ती बाल क्लब
वाई प्वाइंट, पावंटा साहिब (हि.प्र)
फोन : 93188-55025, 9318549268
Email : himwantimedia@gmail.com

अम्बोया में बांटे गए 200 सिलेंडर

अम्बोया (प्रे.वि).शुभ इंडेन ग्रामीण वितरक अम्बोया द्वारा 200 सिलेंडर गृहिणी योजना के अन्तर्गत बांटे गये। मुख्य अतिथि रमेश तोमर चेयरमैन वीडीसी पांवटा इस मौके पर उपस्थित रहे।। फूड इंस्पेक्टर श्याम भाटिया , सदस्य जिला परिषद बाल किशन, सुनील कुमार प्रधान बनौर, सुरेश शर्मा प्रधान नघेता तथा निशीकांत प्रधान अम्बोया, के साथ-साथ अनुज भंडारी, संदीप कुमार, जय प्रकाश शर्मा आदि भी इस मौके पर उपस्थित थे।

जय प्रकाश शर्मा ने बताया कि गैस का उपयोग कैसे करना है तथा क्या-क्या सावधानियां रखनी है। उन्होंने कहा कि हमारा एरिया अब धुंआ रहित हो गया है।

जिला सिरमौर के अम्बोया में जनमंच 22 दिसम्बर को

नाहन (प्रे.वि). जिला सिरमौर के विधान सभा क्षेत्र पांवटा साहिब की ग्राम पंचायत अम्बोया के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला के प्रांगण में 22 दिसम्बर को जनमंच कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता मुख्य सचेतक नरेन्द्र बरागटा करेंगे।

यह जानकारी उपायुक्त सिरमौर डॉ0 आर0 के0 परूथी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस जनमंच कार्यक्रम में पांवटा साहिब विधान सभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत की अम्बोया, बनौर, शिवा, नघेता, टौरू–डाण्डा, आंज, राजपुर और बढ़ाना ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है और इस मौके पर लोगों की विभिन्न समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा ।

उपायुक्त ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से लोगों की शिकायतों को मौके पर एवं समयबद्ध हल करना, सरकारी कार्यक्रम योजनाओं की सम्पूर्ण जानकारी आम जनता को मुहैया करवाना, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत सेवा वितरण की जांच तथा ई–समाधान के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय अवधि के भीतर निपटारा करना है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त जनता की मांग अनुसार विभिन्न विभागों द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज मौके पर उपलब्ध करवाना है।

उपायुक्त ने बताया कि इस जनमंच कार्यक्रम के दौरान लोगों को हिमाचली प्रमाण पत्र, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र , आय प्रमाण पत्र, राजस्व रिकार्ड, तथा किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने के अतिरिक्त विधवा, वृद्धावस्था पैंशन, आवास निर्माण व मुरम्मत, कानूनी सहायता, स्वतन्त्रता सैनानी, सैनिक पैंशन, महिला युवक मण्डल पंजीकरण, बीपीएल ऋण सुविधा, भूमि विकास व भू संक्षरण कार्य, बन्दूक, ड्राईविंग लाईसैन्स हेतु आवेदन, लाईसैन्स नवीनीकरण, भू–इन्तकाल, सत्यापन, जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण, राशन कार्ड बनाना, नवीकरण, पूर्व तथा मौके पर प्राप्त आवेदनों का निदान किया जाएगा।

उन्होंने इस क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे अम्बोया के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में आयोजित होने वाले जनमंच कार्यक्रम में भाग लेकर इसका पूरा लाभ उठाएं।

श्री साई अस्पताल के निःशुल्क कैंप का सैकड़ो रोगियों ने उठाया लाभ

नाहन (प्रे.वि). श्री साई मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल एवं ट्रामा सेंटर नाहन द्वारा पांवटा साहिब की ग्राम पंचायत सलावाला में आंखों व दांतों की नि:शुल्क जांच हेतु कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में आंखों की जांच ओथ्योमेट्रिस्ट संजय व दांतों की जांच दंत चिकित्सक डॉ आरुषी द्वारा की गई। कैंप में जांच करते हुए डॉ आरुषी ने बताया कि अक्सर ग्रामीण इलाकों में लोग अपने दांतों के प्रति संजीदा नही होतें। जिससे लोगों के दांतों में कीड़ा लगने से दांत खराब होने की समस्या देखने को मिली है। उन्होने कहा कि दांतों की नियमित जांच व सटीक इलाज से हम दांतों को स्वस्थ रख सकते है। वही ओप्टोमेट्रिस्ट संजय ने बताया कि इस कैंप में 20 फीसदी लोग मातियाबिंद वे ग्रस्त पाए गए जिनकोइसकी जानकारी भी नही थी। वही दुर्घटना के चलते अपनी आंखों की समस्या से पीडित लोगोंने भी इस कैंप का लाभ उठाया इसे ट्रामा से ग्रस्त रोग कहा जाता है। इतना ही नही कैंप में ऐसे रोग भी देखने को मिले जिससे लोगों की पलकें अंदर की तरफ मुड़ी हुई होती है। आमतौर पर ये समस्या बहुत कम लोगों में देखने को मिलती है। परंतु आंखों के प्रति लापरवाही बरतने के चलते रोग जल्दी ही आंखों में उतर आता है। उन्होने बताया कि साई अस्पताल में मोतियाबिंद का इलाज आधुनिक तकनीक दूरबीन से (फेकू) पद्धति से किया जा रहा है।

राजगढ़ स्कूल के दो सगे भाई अजय व अमन राष्ट्रीय क्विज में करेंगे प्रदेश का प्रतिनिधित्व

राजगढ़(बी.आर.चौहान). वैद्य सूरतसिंह मेमोरियल आदर्श विद्यालय राजगढ़ में शिक्षा ग्रहण करने वाले दो सगे भाई अजय और अमन राष्ट्रीय स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाऐगें ।

यह जानकारी देते हुए यह जानकारी देते हुए स्कूल प्रवक्ता प्रदीप ठाकुर ने बताया कि हाल ही में शिमला के कसुम्पटी में संपन हुई राज्य स्तरीय क्विज प्रतियोगिता के कला संकाय में दोनों सगे भाईयों द्वारा अच्छा प्रदर्शन करके उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया जिसके आधार पर इन दोनो भाईयों का चयन राष्ट्रीय स्तर की क्विज प्रतियोगिता के लिए हुआ है जबकि इससे पहले पहले नाहन में नवंबर माह में आयोजित जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में इन दोनों भाईयों द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया था । उन्होने बताया कि अजय दस जमा दो और अमन जमा एक कक्षा के छात्र हैं और इस उपलब्धि से इन दोनो छात्रों ने स्कूल और मां–बाप का नाम रोशन किया है।

बता दें कि अजय और अमन राजगढ़ तहसील के दूर दराज गांव हियूण–शलामू के रहने वाले हैं और बहुमुखी प्रतिभाओं के धनी हैं। इनके पिता सुरेन्द्र पाल एक किसान है। **होनहार बीरवान के होत चिकने पात** वाली कहावत इन दोनों भाईयों पर सही चरितार्थ होती है।

जीडीपी में गिरावट चिंता का विषय-राठौर

शिमला (प्रे.वि). कुलदीप सिंह राठौर ने केंद्र सरकार पर देश के आर्थिक हालातों को बर्बादी के कगार पर ले जाने के आरोप लागये है। कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार पर देश की आर्थिक स्थिति को 8 फीसदी से नीचे लाकर 4 प्रतिशत के 3 न्यूनतम स्तर पर पहुंचाने का जिम्मेदार ठहराया है।

आज देश की आर्थिक स्थिति बेहद खराब दौर से गुजर रही है और सरकार देश मे समृद्धि और बड़े सुधारों की बात करने का ढोल पीट रही है। देश मे ज्यादातर उद्योग धंधे मंदी के चलते तालेबंदी की स्थिति मेंपहुँच गए है जबकि लाखो की संख्या में लोगों को नौकरी से हाथ धोना पड़ा है।

हैदराबाद में बलात्कार और हत्या के मामले ने देश भर में एकबार दोबारा महिलाओं और बच्चियों में खौफ का माहौल पैदा कर दिया है लेकिन सरकार इस तरह के अपराधों में अंकुश लगाने में फेल हो रही है। हिमाचल प्रदेश में नशे का कारोबार और नशा तस्कर बेखौफ होकर युवाओं को इसके गर्त में झोंकने का कृत्य करने में लगे हुए है। राज्य में अपराध चर्च पर है और बलात्कार अपहरण की घटनाओं में इजाफा हो रहा है लेकिन सरकार का इस तरफ कोई धयान नही है।

पार्टी जल्द ही प्रदेश भर में व्यापक सदस्यता अभियान शुरू करेगी और प्रदेश में कांग्रेस अपने संगठन को बड़ा और मजबूत बनाने का काम करेगी। राठौर ने कहा कि जल्द ही केंद्रीय नेताओं को विश्वास में लेकर नई कार्यकारिणी का गठन कर एक मजबूत टीम तैयार की जाएगी ।

पेंशनर्स वेलफेयर एसोसियेशन की मासिक बैठक

पांवटा (प्रे.वि). पेंशनर्स वेलफेयर एसोसियेशन हिमाचल प्रदेश पांवटा इकाई की मासिक बैठक डॉ. विपन कालिया की अध्यक्षता में हुई तथा बैठक में निम्नलिखित विषयों पर चर्चा हुई। पेंशनर्स दिवस 17 दिसम्बर 2019 को होटल रॉकगुड में सम्पन्न होगा जिसमें सभी सदस्यों को ठीक ।।बजे आने का अनुरोध किया गया। यही नहीं सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि सामाजिक कार्यकर्ता हेमन्त शर्मा को इस मौके पर सम्मानित किया जाये।

बैठक में सभी सदस्यों ने मांग की कि पानी के मीटर, आईपीएच विभाग लगवाए तथा बिजली विभाग की तरह मीटर रैंट लिया जाये। सभी सदस्यों ने बैठक में रोष व्यक्त करते हुए कहा कि रिवॉइज पे स्केल शीघ्र दिया जाये। इसके अलावा चिरपरिचत मांग जिसमें 65,70 व 75 वर्ष की आयु के पेंशनरों को 5,10 व 15 प्रतिशत मूल पेंशन पंजाब की तरह शीघ्र प्रदान की जाए तथा मेडिकल बिलों की अदायगी समयबद्ध की जाए। पुरानी पेंशन की बकाया राशि 2013 की बजाए जनवरी 2006 से दी जाये।

बैठक में निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया जिसमें विपन कालिया, डा. टी. पी. सिंह, डा. वेद सिंह वर्मा, डा. एम.एल.अग्रवाल, वी.एल.तोमर, वी.एस.बटारा, सुशील कुमार, डा. वी.एस.वेदी एवं श्रीमती वेदी, एम.एल.मेहता, शांति स्वरूप गुप्ता व अन्य गणमान्य सदस्यों ने भाग लिया।

सुरेन्द्र नेहरू बने पच्छाद मण्डल अध्यक्ष

शिमला (प्रे.वि). भारतीय जनता पार्टी प्रदेश उपाध्यक्ष, मण्डी संसदीय क्षेत्र के सांसद व संगठनात्मक प्रदेश चुनाव अधिकारी रामस्वरूप शर्मा ने जारी एक प्रैस बयान में बताया कि प्रदेश नेतृत्व से व्यापक विचार-विमर्श के उपरांत सुरेन्द्र नेहरू को पच्छाद मण्डल का अध्यक्ष बनाया गया है। रामस्वरूप शर्मा ने बताया कि प्रदेश के सभी मण्डलों में संगठनात्मक चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं।

HIMACHAL PRADESH PUBLIC WORKS DEPARTMENT
HPPWD TENDER

Sealed items rates tenders on the form 6&8 are invited by the Executive Engineer Tissa Division, HP.PWD. Tissa at Bhanjraru on behalf of the Governor of Himachal Pradesh for the following works from the approved and eligible contractors (C&D Class) enlisted in HPPWD.

TENDER SCHEDULE: -

1.	Date and timing of receipt of application for tender form: -	24/12/2019 upto 4.00 P.M.
2.	Date and timing of issue of tender form:	24/12/2019 upto 5.00 P.M.
3.	Date and time of receipt of tenders	26/12/2019 upto 11.00 A.M.
4.	Date and time of opening of tenders:-	26/12/2019 at 11.30 A.M.

The tender forms will be issued against cash payment (non-refundable). The earnest money in the shape of NSC/FDR/Deposit at call of any of Post Office /Bank in H.P. duly pledged in the name of Executive Engineer Tissa Division, HP.PWD., Tissa at Bhanjraru must accompany with each tender:-

S.No	Name of work.	Estimated Cost	EMD	Time limit	Cost of form	Eligible class
1.	R/o damages due to digging of OFC on Tissa Satyas road KM 0/0 to 7/0 (SH: C/o R/Wall in crate at RD 5/167 to 5/170 & B/Wall at RD 5/240 to 5/240 and 5/660 to 5/682.50)	445257.00	10000.00	3 Months	350/-	C&D
2	R/o rain damage on Trella Guila road KM 0/0 to 4/800 (SH: C/o R/Wall in crate at RD 1/560 to 1/580 and 1/595 to 1/610)	430947.00	9000.00	3Months	350/-	C&D
3	Improvement of black spot from Koti junction to Koti Bridge (SH: Providing and Fixing W-Metal Bea Crash Barrier at RD 1/280 to 1/480)	392543.00	8000.00	3 Months	350/-	C&D
4	R/o damages due to digging of OFC on Chamba Tissa road KM 5/0 to 32/500 (SH: C/o R/wall in crates RD 28/940 to 28/960 and 28/965 to 28/980)	481014.00	10000.00	3 Months	350/-	C&D
5	R/o rain damages on Chamba Tissa road KM 5/0 to 32/250 (SH: Repair of Pot Holes between RD 5/0 to 32/250 (Koti Juntion of Baroh)	452355.00	10000.00	3 Months	350/-	C&D
6	Improvement of black spot on Tissa Ganed Bihali road KM 0/0 to 10/0 (SH: Providing R/Wall in crates RD 2/610 to 2/632.50)	338187.00	7000.00	3 Months	350/-	C&D
7	R/o rain damages on Tissa Ganed Bihali road KM 0/0 to 10/0 (SH: Providing B/Wall in crates at RD 5/410 to 5/430)	432222.00	9000.00	3 Months	350/-	C&D
8	C/o High School Building at Jassourgarh (SH: Balance work)	394141.00	10000.00	3 Months	350/-	C&D
9	R/o rain damages on Tissa Ganed Bihali road KM 0/0 to 10/0 (SH: C/o R/Wall in crates at RD 8/310 to 8/345)	489460.00	10000.00	3 Months	350/-	C&D
10	C/o approach road to Newly Constructed Additional Rest House at Bhanjraru (SH: Providing R/Wall at RD 0/0 to 0/010 and 0/015 to 0/040)	462359/-	10000.00	3 Months	350/-	C&D

1. The contractors/firm should possess then following documents(Photocopy to be attached): -
   i) Latest renewal of enlistment. ii) PAN (Permanent Account No.)
   iii) Registration under GST.
2. Ambiguous/telegraphic/conditional tenders or tender by Fax/E-mail shall not be entertained/considered in any case.
3. The Executive Engineer reserves the right to reject/cancel any or all the tenders without assigning any reason(s).
4. The offer of the tender remain valid up to 90 days after the opening.

For terms and conditions kindly refer to website of the department

RO No.3304/19-20
HIM SUCHNA AVAM JAN SAMPARK

Executive Engineer
Tissa Division HPPWD
Tissa at Bhanjraru
On the behalf of Governor of Himachal Pradesh
HIM LOK SUCHANA AND JAN SAMPAK

KIDS PARADISE
...A PLAY SCHOOL
ADMISSION OPEN
Come and feel the difference
Admission for Class Play to K.G
Visiting hours : 9.00 am to 1.00 pm
Unique Features :
* Child's Safety is the first Priority, Hygienic Environment
* Use of innovative Techniques, State of art Teaching Aids.
* Child Friendly & Instantly appealing Themes.
* Colourful, Chirpy, Spacious & Air Conditioned Class Rooms.
* Interactive Multimedia teaching aids, Swings & Sand Pit.
* Music & Dance room with Play cum Doll House.
* Latest RO + UV Water Purifier for your Child's Health.
Yamuna Vihar Colony, Sar Wali Gali, Paonta Sahib
Mob : 09318645024

विभागों के आपसी तालमेल से बढ़ेगी विकास कार्यो की रफतार-डॉ0 बिंदल

नाहन (प्रे.वि). –विधानसभा अध्यक्ष डा0 राजीव बिंदल ने कहा कि विभागों के आपसी तालमेल से जहाँ आम जन को शीघ्र लाभ मिलेगा वहीं समय और संसाधन की बचत भी होगी। उन्होंने कहा कि अन्तर्विभागीय तालमेल से जहां कार्यो की गुणवत्ता में सुधार आएगा वहीं विकास कार्यो का समयबद्ध निपटारा भी सुनिश्चित होगा।

डा. राजीव बिंदल ने उपायुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित अन्तर्विभागीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा व पेयजल सुविधाओं से संबंधित मुददो पर विशेष चर्चा करते हुए अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि लोगों को मुलभूत सुविधाओं के लिए कठिनाईयों का सामना न करना पड़े। उन्होंने जल शक्ति मिशन के तहत भू–संरक्षण, आईपीएच व बीडीओ के माध्यम से बनने वाले चैक डैम की फारेस्ट एनओसी के बारे में चर्चा की। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को जल्द से जल्द केन्द्र सरकार से अनुमति लेकर जल शक्ति मिशन के अंतर्गत होने वाले कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिए।

इस बैठक में आईपीएच विभाग को साडा के तहत 70 लाख की राशि देने व नाहन में गिरि पेयजल योजना के तहत पेयजल पाईप लाईनें बिछाने व पाईप लाईन बिछाते समय लोगों को कम से कम असुविधा हो इसके लिए संबंधित विभागो को निर्देश जारी किए। उन्होंने कालाअंब स्थित पुराने थाने के भवन को बस स्टैंड के लिए स्थानांतरित करने व थाना बनाने के लिए अन्य स्थान पर भूमि के चयन के लिए संबंधित विभागों को जल्द ही निर्णय लेने के निर्देश दिए।

उन्हों ने डाईट नाहन में बनने वाले बहुमंजिला पार्किंग स्थल के निर्माण के लिए शिक्षा विभाग को शीघ्र ही भूमि के स्थानांतरण के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस पार्किंग स्थल के बनने से जहां नाहन वासियों को पार्किंग की सुविधा मिलेगी वहीं कौशल विकास संस्थान कार्यालय के लिए भवन और डाईट के लिए मैदान व पार्किंग की सुविधा भी मिलेगी।

उन्होंने कोलर में अटल आदर्श विद्यालय की स्थापना के लिए व कोलर में क्रिकेट स्टेडियम हेतू भूमि संबंधी मामले में संबंधित विभागों को जल्द ही भूमि हस्तांतरण कर कार्य को शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस बैठक में कालाअंब में पशुपालन विभाग की भूमि पर सामुदायिक भवन व शौचालय निर्माण के लिए अधिकारियों के साथ चर्चा की और आर्मी क्षेत्र में मकान निर्माण तथा मुरम्मत अनुमति संबंधी मामले में चर्चा की।

इस अवसर पर उपायुक्त सिरमौर डा0आर0के0परुथी, अतिरिक्त उपायुक्त प्रियंका वर्मा, पुलिस अधीक्षक सिरमौर आरके शर्मा, एसडीएम नाहन विवेक शर्मा, एसडीएम पांवटा एलआर वर्मा, अरण्यपाल वन बीएस राणा, अधीक्षण अभियन्ता लोक निर्माण विभाग, अधीक्षण अभियन्ता आईपीएच विभाग, राज्य विद्युत बोर्ड के अधीक्षण अभियन्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी व विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय अंगीकार अभियान समारोह की की अध्यक्षता

शिमला (प्रे.वि). मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने आज धर्मशाला में आयोजित राज्य स्तरीय अंगीकार अभियान के समापन समारोह की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान का लक्ष्य प्रधानमंत्री आवास योजना द्धशहरीद्ध के लाभार्थियों को केन्द्र सरकार की अन्य योजनाओं जैसे उज्ज्वला और आयुष्मान भारत के अन्तर्गत लाना है।

जय राम ठाकुर ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उददेश्य प्रधानमंत्री आवास योजना द्धशहरीद्ध के लाभार्थियों को उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन और आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना द्धशहरीद्ध मोबाइल एपलीकेशन के अन्तर्गत 5829 लोग कवर किए गए हैं।

जय राम ठाकुर ने कहा कि यह अभियान केन्द्र सरकार द्वारा इस वर्ष 29 अगस्त से शुरू किया गया और इसे प्रदेश में अधिकारिक रूप से 02 अक्तूबर को मण्डी जिला से आरम्भ किया गया था, जिसका समापन आज हुआ। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उददेश्य प्लास्टिक से पर्यावरण को होने वाले दुष्प्रभावों तथा पर्यावरण संरक्षण के बारे लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि इस माह की 27 तारीख तक प्रदेश, देश भर में ऐसा पहला राज्य बन जाएगा, जहां हर घर में एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को शपथ दिलाई और उन्होंने पौधारोपण भी किया।

इस अवसर पर उन्होंने जागरूकता रैली को भी रवाना किया।

शहरी विकास मंत्री सरवीन चौधरी, विधायक विशाल नैहरीया, धर्मशाला नगर निगम के महापौर देवेन्द्र, उपायुक्त कांगड़ा राकेश प्रजापति, नगर निगम के आयुक्त प्रदीप ठाकुर, पुलिस अधीक्षक विमुक्त रंजन भी अन्य सहित इस अवसर पर उपस्थित थे।

डा श्रीकांत बाल्दी रेरा के चेयरमैन चुने गए

शिमला (प्रे.वि). प्रदेश के मुख्य सचिव डा श्रीकांत बाल्दी को हिमाचल रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथरिटी (Real Estate Regulatory Authority) रेरा का चेयरमैन नियुक्त किया है। श्रीकांत बाल्दी की नियुक्ति पर सिलेक्शन कमेटी की बैठक में फैसला किया गया है। यह बैठक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एल नारायण स्वामी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें कमेटी के अन्य सदस्य विधि सचिव यशवंत सिंह व शहरी विकास सचिव सी पालरासु मौजूद रहे।

जिन लोगों ने रेरा अध्यक्ष के पद के लिए आवेदन किया था,उनमें डा श्रीकांत बाल्दी, सेवानिवृत्त आईएएस मनीषा नंदा व पीसी धीमान सहित अनेक लोग शामिल थे। चेयरमैन की नियुक्ति को लेकर सोमवार को सिलेक्शन कमेटी की बैठक हुई। रेरा के चेयरमैन पद पर नियुक्ति के बाद डा श्रीकांत बाल्दी को मुख्य सचिव के पश्चात नए मुख्य सचिव को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। संभावना है कि अनिल खाची की इस पद पर ताजपोशी हो सकती है।वरिष्ठता के आधार पर मुख्य सचिव के लिए अनिल खाची व राम सुभग सिंह प्रमुख दावेदार हैं।

अवैध खनन करने पर काटे चालान

बीबीएन (एस गौतम). बददी पुलिस ने चलाये गये विशेष अभियान के तहत कार्यवाही करते हुये अवैध खनन करने वालो पर कार्यवाही करते हुये 13 चालान किये तथा 87,500 रूपये जुर्माना वसूल किया गया। एस.पी बददी रोहित मालपाणी ने बताया कि बददी पुलिस ने खनन को लेकर विशेष अभियान चलाया जिसको तहत अलग अभियान चलाया गया। टीमों ने अलग अलग नदियों व सडकों पर वाहनों पर वाहन चौक किए गए और जिनके पास सही दस्तावेज सही नहीं पाए गए उनके चालान किए गए। यह जानकारी एएसपी नरेश शर्मा ने दी।

बददी पुलिस ने यातायात नियमों की धज्जियां उडाने वालों पर शिकंजा कसते हुये मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत 186 चालान किये तथा 42,900 रूपये जुर्माना वसूल किया गया है तथा शराब पीकर गाडी चलाने वालों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये 13 चालान ड्रंक एंड ड्राईविंग के तहत किये गये है।

वन मंत्री गोविन्द ठाकुर ने फिल्म स्टार अभिताभ बच्चन से की मुलाकात

मनाली (दीपक कुल्लुवी). वन, परिवहन, युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने मनाली के निकट नशाला में जारी वालीवुड फिल्म ब्रह्मास्त्र की शूटिंग के दौरान सुपर स्टार अमिताभ बच्चन से भेंट की और उन्हें सम्मानित किया। गोविंद सिंह ठाकुर ने अमिताभ बच्चन को कुल्लवी टोपी, शाल और स्मृति चिन्ह भेंट कर के सुपरस्टार का पारंपरिक स्वागत किया। वन मंत्री ने शूटिंग और फिल्म निर्माण की अन्य बारीकियों की जानकारी ली तथा इस संबंध में अमिताभ बच्चन, वालीवुड स्टार रणवीर कपूर तथा यूनिट के अन्य सदस्यों से व्यापक विचार विमर्श किया।

भारत की नई पीढी दहेज से मोडने लगी मुख

बीबीएन (शांति गौतम). हमारे देश में तमाम नियम और कानून होने के बाद भी दहेज प्रथा से मुक्ति नहीं मिली है। आए दिन दहेज के लिए लड़कियों को बुरी तरह से प्रताड़ित किया जाता है तो कई बार दहेज के लिए लड़कियों को मार दिया जाता है। हालांकि हमारे समाज में कई लोग ऐसे भी हैं, जो अनोखी मिसाल पेश करते हुए दहेज प्रथा के खिलाफ लोगों को प्रोत्साहित करते हैं। ऐसा ही एक मामला जिला बिलासपुर में देखने को मिला है। जिला बिलासपुर के स्वारघाट उपमंडल के तहत आने वाली ग्राम पंचायत टोबा के गाँव नीलां के एक युवक ने शानदार उदाहरण पेश करते हुए अपनी शादी में दहेज लेने से विनम्रता से इनकार कर दिया। यहाँ तक की युवक ने लड़की वालों की तरफ से एक रूपये का शगुन भी नहीं लिया। आस–पडोस और सोशल मीडिया पर खबर फैली तो लोग जमकर युवक की तारीफ कर रहे हैं। दूल्हे का नाम हरमेश चौधरी पुत्र रामलाल है और वह गाँव नीलां डाकघर लखनु तहसील श्री नैना देवी जिला बिलासपुर से सम्बन्ध रखता है। हरमेश चौधरी के पिता पेशे से किसान है। हरमेश चौधरी महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी बददी में सिविल लैब असिस्टेंट (प्रयोगशाला सहायक) के पद पर कार्यरत है और पिछले 18 सालो से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस) के स्वयंसेवक है। शादी के लिए तय तिथि को हरमेश चौधरी बारात लेकर गाँव मोहीवाल तहसील आनंदपुर साहिब जिला रोपड़ पंजाब पहुंचे थे। बीते रविवार को हरप्रीत कौर के साथ परिणय सूत्र में बंधे थे। इस दौरान लडकी के परिजनों की ओर से दहेज की पेशकश की गई लेकिन हरमेश चौधरी ने दहेज लेने से साफ इनकार कर दिया और कहा कि वह दहेज प्रथा के बिलकुल खिलाफ हैं।

नवदुर्गा शिक्षण संस्थान में बैठक

ददाहू (ब्यूरो). श्री रेणुका जी तीर्थ के समीप ग्राम वेडोन में स्थित नवदुर्गा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में पूर्व छात्र परिषद की एक बैठक परिषद के प्रधान कुलदीप सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में नवदुर्गा आईटीआई के अनेकों पूर्व छात्र व साथ ही वर्तमान छात्रों ने भी बैठक में हिस्सा लिया पूर्व छात्रों ने नव आगंतुक छात्रों को तकनीकी शिक्षा का जीवन में क्या महत्व है इस बारे में जानकारी दी इस अवसर पर कुलदीप सिंह ने बोलते हुए कहा कि साधारण शिक्षा के साथ साथ तकनीकी शिक्षा का ज्ञान यदि आपको है तो हम लोग जीवन में बेरोजगार नहीं रह सकते आज देश में जहां बेरोजगारी अपना फन फैलाए बैठी है वह सरकारी क्षेत्र में नौकरियों की कमी है इस कमी को तकनीकी शिक्षा का ज्ञान कम कर सकता है औद्योगिक क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर चुके छात्रों की बहुत अधिक मांग है। इसलिए हमें अपना भविष्य तकनीकी शिक्षा में आजमाना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व छात्रों के साथ साथ नए छात्र वरिष्ठ छात्र व संस्थान के निदेशक इन्द्र प्रकाश गोयल, प्रधानाचार्य कुलभूषण व अन्य अनुदेशक मौजूद रहे। पूर्व छात्रों में आकाश ठाकुर चंद्रवीर, राहुल ठाकुर ,रोहित , अजय कुमार, बाबूराम, दीक्षित कुमार, अनूप कुमार, मामराज, मनीष, अनवर अली आदि उपस्थित रहे।

कैमिस्ट व होल सेलर्ज न खरीदेंगे और न ही बेचेंगे नशीली दवाईयां-मनीष

बीबीएन (गौतम). देश सरकार के आदेशानुसार सभी विभागों ने नशे के खिलाफ कमर कसनी शुरू कर दी है। एक तरफ जहां शिक्षा विभाग और पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान चला जा रहे हैं वहीं ड्रग विभाग ने भी बीबीएन रिटेलर व होल सेलर्ज दवा विक्रेताओं के साथ अहम बैठक की। नशे को लेकर आयोजित इस बैठक में बददी बरोटीवाला के दवा विक्रेताओं के अलावा हिमाचल वल्क ड्रग एसोसिशन ने हिस्सा लिया। इस दौरान दवा विक्रेताओं और होल सेलरों ने नशीली दवाओं को न खरीदने और न ही बेचने का संकल्प लिया। बैठक को संबोधित करते हुए ड्रग विभाग के स्टेट डिप्टी ड्रग कंट्रोलर मनीष कपूर ने कहा कि मौजूदा समय में पूरे प्रदेश में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। माह तक सभी सरकारी विभाग जिसमें शिक्षा व पुलिस विभाग शामिल है, लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करेंगे। उन्होंने कैमिस्टों से अनुरोध किया कि नशा रोकने के लिए विभाग का सहयोग करें। अगर आपके आसपास कोई दवा विक्रेता नशे का कारोबार कर रहा है तो उसकी सूचना विभाग को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई अमल में लाई जा सके। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में नशीली दवाईयों के सेवन का चलन अत्याधिक बढ़ गया है, जिसके चलते कैमिस्टों के सहयोग के बिना इसके रोक पाना नामुमकिन है। उन्होंने कैमिस्टों को भी हिदायत दी कि न ही नशीली दवाईयां खरीदें और न बेचें। उन्होंने बताया कि। माह तक ड्रग विभाग दवा से संबंधित सभी लोगों को जागरूक करेगा। इस बावत दवा निर्माताओं से भी बैठक कर उन्हें भी हिदायत दी जाएगी। बैठक के दौरान कैमिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने ड्रग विभाग के समक्ष झोलाछाप व बंगाली डाक्टरों पर कार्रवाई की मांग रखी। कैमिस्टों ने कहा कि बाहरी राज्यों से लोग यहां आकर बिना बिल के दवाईयां बेच रहे हैं और लोगों की सेहत से खिलवाड़ हो रहा है।

रेडक्रास गतिविधियों से जुड़ें लोग-जवाहर ठाकुर

मंडी (प्रे.वि). विधायक जवाहर ठाकुर ने पधर में आयोजित एक दिवसीय उपमंडलस्तरीय रेडक्रा मेले की अध्यक्षता करते हुए लोगों से रेडक्रास सोसायटी की गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गरीबों और साधनहीन व्यक्तियों को सहारा देने में रेडक्रास सोसायटी महत्वपूर्ण भूमिका है। जरूरी है ज्यादा से ज्यादा लोग इससे जुड़ें ताकि जरूरतमंद एवं असहाय लोगों की अधिक सेवा की जा सके। जवाहर ठाकुर ने कहा कि रेडक्रास मेले से होने वाली आय दिव्यांग लोगों को व्हीलचेयर और दूसरे उपकरण उपलब्ध करवाने पर व्यय की जाएगी।

इस बार रेडक्रास मेले की थीम यूथ अगेंस्ट ड्रग्स है ताकि समाज में व्याप्त नशे की समस्या को लेकर युवाओं का जागरूक किया जा सके। जवाहर ठाकुर ने क्षेत्र के विकास की चर्चा करते हुए कहा कि द्रंग विधान सभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 16 सड़कों के लिए 83 करोड़ रुपए स्वी त हुए हैं। इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र में विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने हिम केयर योजना का जिक्र करते हुए कहा कि जो लोग इस योजना समें पंजीकरण से वंचित रह गए हैं उन्हें जल्द ही पुन: पंजीकरण सुविधा प्रदान की जाएगी।

बलजीत नागरा को मातृ शोक

पांवटा द्धहिकाद्ध. सिरमौर ट्रक आपरेटर युनियन के पूर्व प्रधान व ग्राम पंचायत पुरूवाला संतोखगढ़ के पूर्व प्रधान बलजीत सिंह नागरा की माता श्रीमती सरदारी नसीब कौर का आकस्मिक निधन हो गया है। वह लगभग 80 वर्ष की थी। वह अपने पीछे 95 वर्षीय पति सरदार बचित्र सिंह, 3 पुत्र बलजीत सिंह, अर्जुन सिंह व सतवंत सिंह तथा दो पुत्रियां रूपेन्द्र कौर व अमरजीत कौर सहित भरा पूरा परिवार छोड़कर गई हैं। इस दुःखद समाचार को सुनकर पूरे शहर के गणमान्य व्यक्ति जिनमें ट्रक युनियन के सदस्य, ग्राम पंचायत पुरूवाला के नागरिकों के साथ–साथ पांवटा क्षेत्र के काफी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उनके संतोखगढ़ पुरूवाला निवास स्थान पर पहुँचे। उनकी पार्थिव देह को संतोखगढ़ के साथ लगते वाला किनारे उनके तीनों बेटों द्वारा मुखाग्नि दी गई। नसीब कौर एक धार्मिक महिला थी और प्रतिदिन अपने घर के सामने स्थित श्री गुरूद्वारा साहिब में माथा टेकने जाया करती थी व गुरवाणी सुनना उनकी दिनचर्या में शामिल था। हिमवन्ती परिवार का नागरा परिवार से गहरा नाता रहा है। माता नसीब कौर के जाने से हिमवन्ती परिवार भी आहत है और परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता है कि वह दिवंगत को अपने श्रीचरणों में स्थान दे तथा नागरा परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

चर्चित चेहरा

समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने में लगे हैं

धनबीर सिंह चौहान

(अध्यक्ष, कोली समाज पांवटा साहिब)

- सुन्दर सिंह चौहान

पांवटा साहिब विधानसभा की कोली समाज इकाई के प्रधान धनबीर चौहान मूल रूप से गिरीपार के धमौन गांव के रहने वाले है। धमौन शिलाई विधानसभा की पौका पंचायत में पड़ता है जो पांवटा विधानसभा की सीमा से लगता गांव है। धनबीर चौहान पेशे से शिक्षक है। उनके पिता बुधराम गांव के नामी किसान थे जबकि उनकी माता बेसो देवी गृहिणी थी धनबीर के बड़े भाई बस्ती राम जिला परिषद सदस्य रह चुके है जबकि उनकी पत्नी सत्या चौहान 2011 से 2015 तक पौका पंचायत की प्रधान रही है। धनबीर को शुरू से ही पढाई लिखाई का शौक था उन्होने गांव के एक सरकारी स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा के बाद पांवटा साहिब के शिवपुर स्कूल से बाहरवी की परिक्षा पास की और उसके बाद डिग्री कॉलेज पांवटा से बी कॉम की डिग्री हासिल की हैं। हाल ही में उन्होने पीएचडी के लिए पंजीकरण करवाया है लेकिन अभी तक उसमें सफलता नही मिल पाई है। पढाई के साथ साथ उनको शुरू से ही समाजसेवा में रूची थी जिसके चलते वह गांव के नवयुवक मंडल प्रधान से आज कोली समाज के अध्यक्ष पद तक पंहुचे है। सिरमौर जिला के गिरीपार में कोली समाज की डगर बहुत ही कठिन और चुनौतिपूर्ण है ऐसे में अध्यक्ष पद की कमान संभालना आम आदमी के बस की बात नही है। लेकिन धनबीर चौहान ने इसे निभाने के लिए कमर कस ली है। गिरीपार राजपूत बाहुल्य है जिसमें कोली बिरादरी के साथ जबरदस्त दुर्भवना व भेदभाव होता है। दो साल पहले शिलाई के निर्वतमान अध्यक्ष केदार सिहं जिंदान की कुछ लोगो ने कथित तौर पर हत्या कर दी थी जिंदान कोली समाज के लिए काम करते थे। इन चुनौतियों को स्वीकार करते हुए धनबीर ने यह पद संभाला है। पांवटा साहिब विधानसभा में कोली समुदाय का करीब पाच हजार वोट है जो सियासी तौर पर बहुत मायने रखता है। हिमवंती मिडिया से बातचीत करते हुए धनवीर चौहान ने बताया कि उनका मकसद कोली बिरादरी को आगे ले जाना है और समाज में व्याप्त कुरीतीयों को समाप्त कर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाना है।

खनन माफिया पांवटा साहिब पर बुरी तरह हावी- किरनेश जंग

किरनेश जंग

अश्वनी शर्मा

पांवटा (प्रे.वि). पूर्व विधायक चौधरी किरनेश जंग एवं पूर्व ब्लॉक कांग्रेसी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, पूर्व ब्लॉक कांग्रेसी अध्यक्ष सुरजीत सिंह, पूर्व ब्लॉक कांग्रेसी अध्यक्ष अवतार सिंह, राजेश राणा ने संयुक्त रूप से एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि हिमाचल प्रदेश में जब से भाजपा सरकार सत्ता में आई है पांवटा साहिब के विकास को ग्रहण लग गया है तथा पिछले 2 सालों से चौधरी सुखराम पांवटा के विकास को गति देने में असफल हुए हैं। चौधरी सुखराम की और मुख्यमंत्री जयराम की आपस में नहीं बन रही है जिस कारण पांवटा का विकास जो कांग्रेस की सरकार में शुरू हुआ था वह रुक गया है। पिछले 2 वर्ष में पांवटा में माफिया राज चल रहा है तथा नशे में पांवटा साहिब को भाजपा सरकार ने नम्बर –1 बना दिया है। आज की तिथि में नशे के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश बन चुका है नशे के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश में पांवटा साहिब का नाम टॉप पर है।

खनन माफिया पांवटा साहिब पर बुरी तरह से हावी है। भाजपा के समर्थक बिना किसी अनुमति के खनन कर रहे हैं और प्रशासन को भाजपा सरकार दवाब देकर कार्यवाही करने से रोक रही है और जो कर्मचारी खनन करने से भाजपा समर्थकों को रोकने का प्रयास करते हैं उन पर हमले हो रहे हैं। जब स्थानीय जनता अवैध खनन के खिलाफ शिकायत करती है तो उन्हें भी परेशान किया जाता है। क्रेशर तक बिना अनुमति के चल रहे उनके ऊपर शिकायतों के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हो रही है।

सड़कों की हालत दयनीय है, सड़क में गढ्ढे हैं या गढ्ढों में सड़क है यह पता नहीं लगता। सत्ता मिलते ही सुखराम चौधरी यह सब भुलकर सत्ता का सुख भोग रहे हैं। कांग्रेस के कार्यकाल में सड़कों के लिए प्रदर्शन करने वाले सुखराम चौधरी आज मौन हैं।

किसानों को इस सरकार के राज में दयनीय स्थिति है। पांवटा के किसानों को धान की फसल बेचने के लिए बाहर के राज्यों में धक्के खाने पड़ रहे हैं और हरियाणा वालों ने फसल खरीदने से मना कर दिया जिसकी वजह से किसानों को आधे पौने दामों पर फसल मजबूरी में बेचनी पड़ी।

चौधरी सुखराम अपने 2 साल में किए गए कार्य मनवा रहे हैं वह अधिकतर कार्य कांग्रेस के समय में करवाए गए है

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने उपायुक्त को सौंपी पॉलीब्रिक्स

नाहन (प्रे.वि) उपायुक्त सिरमौर डॉ0 आर0 के0 परूथी द्वारा चलाएं जा रहे स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत प्लास्टिक से पॉलीब्रिक्स बनाकर पर्यावरण स्वच्छ करने की मुहिम में आज आम्बवाला –सैनवाला महिला मण्डल और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने द्वारा तैयार की गई लगभग 70 पॉलीब्रिक्स उपायुक्त को उनके कार्यालय में सौंपी। इस अवसर पर महिलाओं ने बताया कि उन्होंने उपायुक्त सिरमौर से प्रेरणा लेते हुए पॉलीब्रिक्स बनाने का काम तीन महीने पहले शुरू किया था और जब भी उन्हें रास्ते में कहीं प्लास्टिक का कचरा दिखाई देता था तो वह उसे उठाकर प्लास्टिक की बोतलों में भर लेती थी। महिलाओं ने बताया की उन्होंने अपने बच्चों को भी इस बारे में जागरूक किया है और वह भी प्लास्टिक का सारा कचरा घर पर रखी बोतलों में भरते हैं। उन्होंने बताया की अपने आस–पास के क्षेत्र के इलावा उन्होंने अपने वार्ड की भी सफाई की और एकत्रित किए गए प्लास्टिक के कचरे से पॉलीब्रिक्स बनाना शुरू किया।

'स्वर्णिम भारत का आधार सर्वांगीण ग्राम विकास'–सुखराम

मुख्य अतिथि विधायक चौ. सुखराम, नगर पालिका अध्यक्षा कृष्णा धीमान, राजयोगी राजू भाई के साथ अन्य गणमान्य दीप प्रज्ज्वलित करते हुए।

पांवटा (सरिता) स्वर्णिम भारत का आधार सर्वांगीण ग्राम विकास विषय पर आधारित दो दिवसीय संगोष्टी ब्रह्माकुमरिज ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा 5–6 दिसम्बर 2019 को पांवटा साहिब में आयोजित की गई। जिसमें पांवटा क्षेत्र की ग्राम पंचायतों के प्रधान, उप– प्रधान,बीडीसी सदस्यों एवं ग्रामीणों ने बढ़–चढ़ कर लगभग 300 की संख्या मे भाग लिया । ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय आबू पर्वत से आये राजयोगी राजू भ्राता ने अपने 40 वर्षों के तपस्वी एवं अनुभवी जीवन के आधार पर शास्वत योगिक खेती का महत्व, उपयोगिता तथा उसके प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार योगबल द्वारा इस उन्नत खेती को प्राप्त कर सकते है । मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि चौधरी सुख राम विधायक पांवटा क्षेत्र तथा अन्य गणमान्य गौरव धीमान बीडीओ, श्रीमती कृष्णा धीमान चेयरपर्सन नगर परिषद, रुपेश कुमार सीडीपीओ, बीके राखी बहन,बीके राजिंदर भाई भी उपस्थित थे । मुख्य अतिथि ने अपने आशीर्वचनों में कहा है कि आज भारत जैसे कृषिप्रधान देश में इस प्रकार के प्रयास अत्यधिक लाभकारी है । विशेषकर जबकी राष्ट्र नैतिक पतन कि ओर बढ़ता जा रहा है ऐसे में योग और उसके प्रयोग बहुत आवश्यक है । इसमें सबके सामुहिक सहयोग आपेक्षिक है ।

राजकीय उच्च विद्यालय, जामनीवाला तथा विद्यापीठ स्कूल में लगभग 450 विद्यार्थियों को बीके बहन राखी एवं बीके राजिंदर भाई द्वारा जीवन मूल्यों, नैतिकता, एवं बौद्धिक विकास पर योग की शक्ती का प्रभाव आदि विषयों पर जानकारी दी गई। स्कूल के प्रधानाचार्यों ने कहा कि इस प्रकार की आध्यात्मिक शिक्षा विद्यार्थीयों के लिए नितांत आवश्यक है ।

ब्रह्माकुमारीज आश्रम पांवटा की इंचार्ज बहन सुमन ने प्रोग्राम की सफलता पर मुख्य अतिथि एवं गणमान्य व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सबके सहयोग से पांवटा क्षेत्र के सभी गावों को आध्यात्म से विकास की ओर अग्रसर करने का लक्ष्य पूरा करना है ।

श्री साई अस्पताल में हो रहें रसौली के सफल ऑप्रेशन

नाहन (प्रे.वि). श्री साई अस्पताल में बेहतरीन डॉक्टर की टीम से असंभव को भी संभव कर दिखाया है, जहां अब बड़ी से बड़ी रसौली व पथरी का सर्जरी संभव हो चली है। बता दे श्री साई अस्पताल में अब तक सबसे बड़ी पांच किलो की रसौली का सफल ऑप्रेशन भी किया गया है। वही गत मंगलवार को अस्पताल के बेहतरीन लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ दिनेश बेदी ने एक महिला की बच्चेदानी से एक नही दो दो रसौली को निकाल कर महिला की जिंदगी को बचाया। जानकारी देते हुए अस्पताल के लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ दिनेश बेदी ने बताया कि पांवटा साहिब की सुनीता पिछले चार साल से रसौली की समस्या से पीडित थी जिसका आप्रेशन से निकाला जाना जरूरी था परंतु परिवार कोई जोखिम उठाना नही चाहता था, महिला को बच्चेदानी में 15 सेमी की रसोली व पानी की रसोली ;ओवेरियन सिस्टद्ध दोनो एक साथ बने हुए थें। जिसके कारण महिला का पेट फूला हुआ था,लगातार रक्तस्राव भी जारी था। हालाकि आप्रेशन करना अति संवेदनशील था परंतु टीम के प्रयासों से ये सफल रहा। वही सुनीता के पति चमन लाल का कहना है कि पिछले पांच सालों से वह डर के कारण आप्रेशन से बच रहे थे कही उनकी पत्नी के जीवन को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे परंतु श्री साई अस्पताल के डॉ दिनेश बेदी पर उनका भरोसा बना हुआ था इससे पहले भी उनके रिश्तेदार द्वारा यहां पर रसौली का सफल आप्रेशन हुआ था जिससे उनका भरोसा और भी गहरा हो गया। आज उनकी पत्नी को लंबी बिमारी से मुक्ती मिली है वे बेहद खुश है।

उचित मुल्य कि दुकानों में गुणवता की नियमत जांच करे अधिकारी-डा.परूथी

नाहन (प्रे.वि). उपायुक्त सिरमौर डॉ0 आर0 के0परूथी ने उपायुक्त कार्यालय में आयोजित जिला स्तरीय सार्वजनिक वितरण प्रणाली की बैठक की अध्यक्षता करते हुए खाद्य नागरिक एवं आपूर्ति विभाग द्वारा जिले में आवश्यक वस्तुओ के मूल्य वृद्वि पर अंकुश लगाने तथा जमाखोरी –मुनफाखोरी को राकने एवं जिला में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुश्चित करने के लिए विभाग के विभिन्न कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी उचित मूल्य की दुकानों में मिल रहे राशन की गुणवता की नियमित जांच करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने विभाग को जिले के सभी जरूरतमंद इलाकों में उचित गूल्य की नई दुकाने स्वीकृत करके धारक के रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश दिए। विभाग द्वारा प्रस्तुत ग्राम पंचायत क्यारी, बनाह की सैर, शाडिया, कूहंट, भजौन, शावगा–कोडगा, रोहाना, चाडना, चाकली, धार– टिक्करी, लाना–भलटा, मिश्रवाला, रामाधौंण, कोठिया जाजर, मानगढ, सांगना व सुरला –जनोट पंचायतों में खुलने वाली उचित मूल्य की दुकानों के मामलों की चर्चा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जो पंचायतें उचित मूल्य की दुकान खोलने के लिए सरकार द्वारा जारी मापदण्ड पूरे नहीं कर रहे है उन मामलों को उस क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए शीघ्र ही सरकार को मापदण्डों में रियायत के लिए भेजा जाएगा।

ऑथर्ज गिल्ड ऑफ हिमाचल का 15 वां राज्यस्तरीय वार्षिकोत्सव सम्पन्न

कुल्लू (प्रे.वि). देवसदन कुल्लू के सभागार में आथर्ज गिल्ड ऑफ हिमाचल ने अपने 15वें राज्य स्तरीय वार्षिकोत्सव में लेखन के क्षेत्र उत्कृष्ट कार्य करने वाली पांच विभूतियों को अवार्ड से नवाजा जिनके नाम हैं डॉ आशु फुल्ल पालमपुर, मैडम सरोज परमार कांगड़ा, सुदर्शन वशिष्ठ शिमला, जीवन प्रकाश जोशी पौंटा साहिब, और प्रभात शर्मा प्रभात धर्मशाला को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे कुल्लू के लोकप्रिय अधिवक्ता सुरेंद्र खन्ना और अध्यक्षता की भुट्टीको चेयरमैन पूर्व बागवानी मंत्री सत्य प्रकाश ठाकुर ने। गिल्ड के संस्थापक अध्यक्ष जयदेव विद्रोही ने समूचे हिमाचल से आए हुए तमाम मेहमानों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में डॉक्टर सूरत ठाकुर और सत्यपाल भटनागर द्वारा दो शोध पत्र भी पढ़े गए दोपहर के खाने के बाद देर शाम तक कवि सम्मेलन चला। दूसरे सत्र में पांवटा साहिब सिरमौर ऑथर्ज गिल्ड चौप्टर प्रेजिडेंट अजय शर्मा की अध्यक्षता में हुए कवि सम्मेलन में लगभग 30 कवियों, साहित्यकारों लेखकों और गायकों ने शिरकत की यह कार्यक्रम दोपहर के भोजन के बाद शुरू हुआ जो देर शाम तक चला इसमें हिमाचल के भिन्न –भिन्न जिलों से आए हुए कवियों ने भाग लिया। श्रुति शर्मा मंजू शर्मा दौतराम पहाड़िया डॉ आशु फुल्ल ने अपने मधुर गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रथम सत्र की कांगड़ा चैप्टर प्रेजिडेंट रमेश मस्ताना और दूसरे सत्र की एंकरिंग की कमान ऑथर्ज गिल्ड ऑफ हिमाचल कुल्लू चैप्टर प्रेसिडेंट दीपक कुल्लुवी के हाथ में रही।

मुद्रक, प्रकाशक और स्वामी अरविन्द गोयल द्वारा हरिओम मैनुफैक्चरर, कुंजा मतरालियां, पांवटा साहिब (हि.प्र.) से मुद्रित तथा एच-7 हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी, नाहन, जिला सिरमौर (हि.प्र.) -173001 से प्रकाशित। सम्पादक : अरविन्द गोयल। फोन: 01704-318724 फैक्स : 01704-225724, पाँवटा कार्यालय : वाई प्वाईट, मेन बाजार, पाँवटा साहिब। समस्त वाद-विवाद का न्यायिक क्षेत्र पांवटा साहिब, जिला सिरमौर होगा। PR No. : L/SLN/98/2019-21; R.N.I.No 66124/97 ; D.A.V.P No .131488